चोर दरवाजे से जारी है आरक्षण.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सगाई और रिलेशनशिप को लेकर.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 143 | गाजियाबाद / बुधवार 26 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य- 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

भारतीय कंपनियां करेंगी पारंपरिक मिसाइलों का उत्पादनः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने डीआरडीओ की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को देने का फैसला किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मंजूरी के बाद पात्र कंपनियां जरूरी योग्यता और प्रमाणन पूरा कर इन प्रणालियों का देश में उत्पादन कर सकेंगी। क्या इससे मिसाइल निर्माण में निजी उद्योग और एमएसएमई की भूमिका बढ़ेगी। अब क्या आयात पर भारत की निर्भरता घटेगी।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इससे देश में इन मिसाइल प्रणालियों का स्वदेशी उत्पादन किया जा सकेगा।

चंपत राय के खिलाफ संतों की बैठक पुलिस ने रोकी

गुस्साए संतों ने चंदा चोर के नारे लगाए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में कारसेवकपुरम के पास मंगलवार को ओम आश्रम में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और चंपत राय के खिलाफ चल रही संतों की बैठक को पुलिस ने रोक दिया। संतों का आरोप है कि बैठक के

बीच पुलिस पहुंची और संतों को बाहर निकालकर आश्रम में ताला लगा दिया।

इससे गुस्साए संतों ने 'चंदा चोरों, अयोध्या छोड़ो' के नारे लगाए। हालांकि, पुलिस का कहना है कि रोकने से पहले ही संत खुद आश्रम से बाहर निकल गए और नारेबाजी करने लगे। संतों का कहना है-चंदा चोरी के छोटे आरोपियों पर कार्रवाई की गई, जबकि बड़े आरोपियों को बचाया जा रहा है। जिला प्रशासन आरोपियों का साथ दे रहा है। वह नहीं चाहता कि आरोपी पकड़े जाएं। इसलिए संतों की बैठक नहीं होने दी जा रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं

इलाहाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पहनने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सोमवार को कहा स्कूल में यूनिफॉर्म के नियम का पालन करना जरूरी है। इससे बच्चों में बराबरी की भावना रहती है। स्कूल की अपनी पहचान भी बनती है।

फूड कंपनियों ने किया विरोध

मीठे ड्रिंक्स और चिप्स पर चेतावनी वाले निशान लगाना चाहती थी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में बिकने वाले फैंटा के एक कैन में महज 63 कैलोरी होती है। लेकिन अगर आप वही कैन भारत में खरीदते हैं, तो आपको न केवल तीन गुना अधिक चीनी मिलती है, बल्कि साथ में मिलता है कृत्रिम रंग जिसे यूरोपीय देशों में सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। यूरोप में नियम इतने सख्त हैं कि इस रंग के इस्तेमाल पर पैकेट पर प्रमुखता से स्वास्थ्य चेतावनी देना अनिवार्य है।

इसके विपरीत, भारत में इसी चेतावनी को कैन के पीछे बेहद छोटे अक्षरों में छिपा दिया जाता है। यह दोहरा रवैया वैश्विक खाद्य

दिग्गजों की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वे लंबे समय से भारत में पैकेटबंद उत्पादों के सामने पोषण संबंधी चेतावनियों को अनिवार्य करने वाले सरकारी प्रयासों का विरोध कर रहे हैं।

तावनी वाले लेबल पर एफएसएसएआई का नरम रुख

कोका-कोला जैसी उपभोक्ता दिग्गज कंपनियों का पलड़ा इस मामले में भारी दिख रहा है। भारत के खाद्य सुरक्षा नियामक, एफएसएसएआई ने बीते अगस्त में कहा था कि उसने खाद्य पैकेजिंग के सामने रंगीन चेतावनियां छापने के अपने प्रस्ताव को छोड़ दिया है। नियामक का तर्क था कि पश्चिमी भोजन की तुलना में भारतीय व्यंजनों में अधिक तीखे और तीव्र स्वाद होते हैं, इसलिए इस तरह के चेतावनी लेबल सही नहीं हैं।

कंपनियों की दोहरी नीति

19 मार्च की बैठक में कोका-कोला इंडिया की वरिष्ठ अधिकारी मिली भट्टाचार्य ने कहा कि यह मानना बहुत ही सरल है कि जो उपभोक्ता पहले से ही पैकेट के पीछे लिखी सामग्री की सूची नहीं पढ़ता, वह केवल एक प्रतीक या आइकन देखकर अपने खान-पान में सुधार कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में डॉक्टर अपने मरीजों को पहले ही बता देते हैं कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इसलिए ऐसे लेबल अनावश्यक हैं। हालांकि, कोका-कोला और नेस्ले जैसी कंपनियां यूरोप और ब्रिटेन के बाजारों में स्वेच्छा से ट्रैफिक-लाइट शैली वाले लेबल और चेतावनियों का उपयोग करती हैं। ब्रिटेन में नेस्ले 2013 से इसका उपयोग कर रही है, लेकिन भारत में यह कंपनियां ऐसे प्रस्तावों का कड़ा विरोध कर रही हैं। कोका-कोला और नेस्ले दोनों ने इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

दिल्ली में इन्फ्लूएंजा के 3000 से अधिक केस

- सीएम ने बुलाई बैठक, मंत्री बोले- स्थिति कंट्रोल, दवाओं की कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन्फ्लूएंजा के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है। मंगलवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और स्थिति पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है।

डॉक्टरों और दवाओं की कोई कमी नहीं

स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ या दवाओं की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है।

बिहार स्टूडेंट यूनियन के आंदोलन में बवाल

- पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज, दौड़ाकर पीटा, पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल, वाटर कैनन चली, सीआरपीएफ से झड़प

पटना (एजेंसी)। बीपीएससी-डीआरई-4 में पीटी-मेन, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100 प्रतिशत डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। मंगलवार को ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन के छात्र सीएम हाउस का घेराव करने निकले।

छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ जवानों को भी तैनात किया गया, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़ते हुए डाकबंगला पहुंच गए। इस दौरान छात्रों की सीआरपीएफ जवानों के साथ धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन के दौरान एक छात्र का सिर फट गया, जबकि एक छात्रा बेहोश हो गई। पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की बौछार के बीच

प्रदर्शन कर रहे छात्र शैंपू लगाकर नहाते भी दिखे। कुछ छात्रों ने पुलिस की ओर पत्थरबाजी भी की, जिसमें टाउन डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए।

हाथी चले बाजार..कुत्ते भौंके हजार, बयान पर बीपीएससी ने माफी मांगी

सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजेश कुमार सिंह से गर्दनीबाग में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर कहा था कि एक कहावत आपने सुना होगा, हाथी चले बाजार तो कुत्ते भौंके हजार। उनके इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र भड़क गए। एक बार कॉकरोच बोला गया था, तो प्रधान जी चले गए। अब सचिव की नौकरी जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद बीपीएससी एग्जाम कंट्रोलर ने वीडियो जारी कर माफी मांग ली है।

बांके बिहारी मंदिर के चढ़ावे में 'बंदरबांट'

- सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- मंदिर की तिजोरी में पहुंचे एक-एक पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि दान की हर राशि दानपेटी या ऑनलाइन सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने पारदर्शी व्यवस्था लागू करने और किसी भी रुकावट को गंभीरता से लेने को कहा। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के

चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा या तो मंदिर की दानपेटियों में पहुंचे या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने कहा कि चढ़ावे की राशि को किसी भी तरह से इधर-उधर किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

लिस्ट से बाहर किए गए वोटरों का क्या होगा, बंगाल पर ईसीआई से मांगा पूरा ब्योरा

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद मतदाता सूची में शामिल करने या बाहर करने को चुनौती देने वाले अपीलीय ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित और निपटाए गए अपीलों का डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इन अपीलों का एक निश्चित समय-सीमा के भीतर निपटारा किया जाना आवश्यक है।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश

- गुरुग्राम में वर्कफ्रॉम-होम, उप्र में 4 की मौत, मप्र समेत 15 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

भोपाल/पटना/जयपुर/लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार सुबह लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई है। एम्स फ्लाईओवर, कनॉट प्लेस, आईटीओ और आरके पुरम समेत कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले एनएच-48 पर महिपालपुर के पास ट्रैफिक जाम लगा। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। सोमवार को करीब 390 फ्लाइट्स लेट हुईं, 15

डायवर्ट और 26 कैंसिल की गईं।

गुरुग्राम में कई जगह 3 फीट तक पानी भरने के बाद मंगलवार को सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में वर्कफ्रॉम होम लागू किया गया। सोमवार को कई स्कूल बसें 3-6 घंटों तक पानी में फंसी रहीं।

यूपी के अयोध्या समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। वाराणसी में सोमवार रात 8 बजे से बारिश जारी है और स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 4 लोगों की मौत हुई। मथुरा में सड़कें और रिहायशी इलाके जलमग्न हैं।

मप्र में हो रही तेज बारिश- मध्य प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। विदिशा के बाजार में पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। प्रदेश में अब तक 28.75 इंच बारिश हुई है। मौसम विभाग ने 27 अगस्त तक एमपी, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड और केरल समेत 15 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

काशी में 12 घंटे से बारिश लखीमपुर में बांध कटा

उत्तर प्रदेश के मंगलवार सुबह से वाराणसी, अयोध्या, झांसी, जौनपुर और गाजीपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में सोमवार रात 8 बजे से रुक-रुक कर हो रही बारिश से सड़कें तालाब बन गई हैं। बीएचयू गेट पर घुटनों तक पानी भरा है।

राजस्थान- कोटा-जयपुर में बारिश भरतपुर में 4 इंच तक पानी बरसा

राजस्थान में 17 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। जयपुर, कोटा सहित कई जिलों में सुबह से बारिश का दौर जारी था। अलग-अलग जिलों में 4 इंच तक बरसात हुई।

- पूर्व सीडीएस अनिल चौहान बोले

युद्ध और राजनीति अलग नहीं, सरकार को ऑप्शन देना सेना की जिम्मेदारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सैन्य शक्ति राजनीतिक इच्छा का सीधा विस्तार है। किसी देश के राजनीतिक हित सबसे ऊपर होते हैं और सशस्त्र बल उन हितों की रक्षा करने वाले कई माध्यमों में से एक हैं।

उन्होंने कहा- शुरुआत इस बात से करते हैं कि राजनीति और युद्ध अलग नहीं हैं। क्लॉजविट्ज ने कहा था कि युद्ध दूसरे माध्यमों से राजनीति को आगे बढ़ाना है।

पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को नई दिल्ली में ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के हालात पर चर्चा की। यह आयोजन विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन ने रखा था। इस दौरान पूर्व सीडीएस ने राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक शासन के रिश्ते पर बात की।

चौहान बोले- युद्ध और राजनीति अलग नहीं

जनरल चौहान ने प्रूशियाई जनरल कार्ल वॉन क्लॉजविट्ज की प्रसिद्ध बात का जिक्र किया कि युद्ध दूसरे माध्यमों से राजनीति को आगे बढ़ाने का तरीका है। उन्होंने कहा, किसी देश के राजनीतिक हित सबसे ऊपर होते हैं और सशस्त्र बल उनकी रक्षा के लिए काम करने वाले माध्यमों में से सिर्फ एक हैं। ऐसे कई माध्यम होते हैं।

नई पीढ़ी को जिम्मेदारी देने का समयः गडकरी

अब पहले जितना काम नहीं कर सकता, बाद में सफाई- इसका राजनीति से लेना-देना नहीं

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के जिम्मेदारी नई पीढ़ी के हाथों में सौंपने वाले बयान पर मंगलवार को सफाई आई। गडकरी के

ऑफिस ने कहा, उन्होंने अपने ट्रस्ट से जुड़े सामाजिक कार्यों की जिम्मेदारी नई पीढ़ी को सौंपने की बात कही थी।

ऑफिस ने कहा कि उनके बयान का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, गडकरी के इस बयान को उनके राजनीति से रिटायरमेंट लेने से जोड़ दिया था। गडकरी का यह बयान 23 अगस्त का है। पुणे में एक कार्यक्रम में कहा था, 'अब ज्यादा काम नहीं कर सकता। जब कर सकता था, तब किया। नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए।' नितिन 37 साल से ज्यादा राजनीति में हैं। पिछले 12 साल से मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। इनके पास सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय है।

- सीएम योगी का बड़ा ऐलान

यूपी में 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में 6 महीने के अंदर 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी। सीएम योगी ने मंगलवार को लखनऊ में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा- अगले 6 महीने में 1 लाख नौजवानों को जॉइनिंग लेटर बांटूंगा। पिछले 9 साल में 9.30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का फायदा यूपी की अर्थव्यवस्था को मिला है।

चीनी की कोई कमी नहीं 122 चीनी मिलें चल रहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी की प्रदेश में कोई कमी नहीं है। पिछली सरकारों के दौरान 29 चीनी मिलें बंद की गईं। 21 मिलों को औने-पौने दामों पर बेच दिया गया। इसके विपरीत वर्तमान सरकार में 122 चीनी मिलें संचालित हैं।

पहले नौकरी निकलते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली में जुट जाती थी

सीएम ने अखिलेश और शिवपाल यादव पर हमला बोला। कहा- 2017 से पहले नौकरी निकलते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए प्रदेश में निकल पड़ती थी। युवा परीक्षा देता था, लेकिन परिणाम नहीं आता था। मामला कोर्ट में जाता और स्टे लग जाता था। युवाओं का समय और उम्र दोनों बर्बाद होते थे। अब चाचा-भतीजे का सिस्टम नहीं चलता है। भाजपा सरकार ने नकल माफिया और भर्ती प्रक्रिया में बैठे माफिया पर कार्रवाई की।

शोपियां में 3 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। शोपियां जिले में सोमवार रात की गई चेकिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड और प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के पांच पोस्टर भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलगाम निवासी जुनैद अहमद डार, आमिर यूसुफ और जुनैद मुजफ्फर के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने नियमित जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर तीनों को रोका और तलाशी ली। इस दौरान उनके पास से हैंड ग्रेनेड और आतंकी संगठन से जुड़े पोस्टर बरामद हुए। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि तीनों का आतंकी नेटवर्क से किस तरह का संबंध था और बरामद सामग्री उन्हें कहां से मिली।

महिला भिखारी के घर में मिली नोटों और सिक्कों से भरी 23 बोरियां

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में एक बुजुर्ग महिला भिखारी की मौत के बाद उसकी झोपड़ी में नोटों और सिक्कों से भरी बोरियां मिली हैं, जिन्हें देखकर सभी हैरान रह गए। करीब 70 साल की नूरुन्निसा मांड्या के गुट्टालू लेआउट इलाके में एक छोटी सी झोपड़ी में अकेली रहती थीं। वह शहर के लोगों से मिलने वाली भीख से अपना जीवनयापन करती थी। रविवार को उनका निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनके निधन के बाद बेंगलुरु में रहने वाले उसके दो भाई अंतिम संस्कार करने यहां पहुंचे। रस्म पूरी होने के बाद उसके भाई पड़ोसियों के साथ उसके घर गए और उसका सामान देखा। उन्हें प्लास्टिक की बोरियों में 10-20 और 50 रुपए के नोटों की गड्डियां और बोरियों में सिक्के मिले। बाद में मिली हुई रकम को दोनों भाइयों के बीच बांट दिया गया। महिला के छोटे से घर में प्लास्टिक और बोरी के 30 से ज्यादा नोटो से भरे थैले और सिक्कों से भरी बोरिया मिलीं। जब स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों ने कैश की गिनती की, तो कुल रकम 8.40 लाख रुपए से अधिक निकली। जीवनभर बेसहारा और तंगहाली में रहने वाली महिला ने इतने सालों में गुप्त रूप से यह बड़ी रकम जमा कर रखी थी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ, जिसमें लोग फर्श पर नोटों के ढेर और सिक्कों की गिनती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नूरजहां बहुत सादा जीवन जीती थीं और कोई नहीं जानता था कि उन्होंने भीख में मिले पैसों को खर्च करने के बजाय इस तरह थैलों में छिपाकर बचा रखा था। फिलहाल यह रकम उनके रिश्तेदारों को सौंप दी गई है।

अरुणाचल में बाल तस्करी का भंडाफोड़, 19 बच्चे बचाए गए, तीन दलाल गिरफ्तार

नामसाई (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में बाल तस्करी के बड़े गिरोह के खिलाफ कार्रवाई कर पुलिस ने 19 बच्चों को बचाया और मामले में तीन संदिग्ध बिचौलियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नामसाई जिले की बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की शिकायत के बाद की गई, इस पर 17 अगस्त को नामसाई थाने में मामला दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार, बच्चों को शि-योमी, वेस्ट सियांग, ईस्ट सियांग, नाहरलागुन, ईटानगर और लोंगडिंग सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से बरामद किया गया। मामले की संवेदनशीलता और कई जिलों से जुड़ाव को देखकर इसकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा और देखभाल उपलब्ध कराने के झूठे वादे कर संपर्क किया गया था। इसके बाद इन नाबालिगों को दूसरे स्थानों पर ले जाकर कथित तौर पर घरेलू काम या होटलों में काम कराया जाता था। नामसाई के पुलिस अधीक्षक सांगे थिनले ने बताया कि बचाए गए बच्चों में अधिकतर आठ वर्ष से कम उम्र के हैं, जिसमें सबसे छोटा बच्चा करीब तीन वर्ष का है। पुलिस ने कुछ बिचौलियों और माता-पिता के बीच प्रति बच्चे 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का भी पता लगाया है। बच्चों के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए गए हैं। एसआईटी अब वित्तीय लेनदेन, डिजिटल साक्ष्यों और कॉल रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण कर रही है ताकि इस पूरे गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके और उन्हें कानून के कटघरे में लाया जा सके।

पुरी मंदिर में नया दर्शन मॉडल : हर घंटे 8,000 श्रद्धालु कर सकते दर्शन

पुरी (एजेंसी)। श्रीजगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए अगले तीन से चार महीनों के भीतर नई कतार-आधारित दर्शन व्यवस्था लागू होगी। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रस्तावित व्यवस्था पर चर्चा के लिए भुवनेश्वर स्थित लोक सेवा भवन में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने स्वयं की। बैठक में पुरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल के निशाने पर सिर्फ हिंदू महिलाएं क्यों, अल्पसंख्यक क्यों नहीं

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का सवाल- समाज सुधार के नाम पर चुनिंदा रवैया क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'पितृसत्ता तोड़ो' बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। रिजिजू ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार और महिलाओं के अधिकारों की बात करते समय कांग्रेस और राहुल गांधी का फोकस हिंदू परंपराओं पर ही क्यों रहता है। उन्होंने पूछा कि अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों को लेकर कांग्रेस क्यों नहीं बोलती।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस के सामाजिक सुधार के दृष्टिकोण को चुनिंदा बताया। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में महिलाओं के अधिकारों और समानता के लिए खड़ी है, तो उसे किसी एक समुदाय तक सीमित रहने के बजाय हर समुदाय की महिलाओं के मुद्दों पर आवाज उठानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान का मुद्दा किसी धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है। उनका तर्क था कि समाज में मौजूद असमानताओं को दूर करने की कोशिश सभी वर्गों और समुदायों की महिलाओं के लिए समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि यदि सामाजिक रूढ़ियों और पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई की बात की जा रही है, तो अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की समस्याओं को भी उसी गंभीरता से क्यों नहीं उठाया जाता।

बेटियों को कमतर आंककर समाज को न बांटें

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि महिलाओं को लेकर राजनीतिक बहस ऐसी नहीं होनी चाहिए, जिससे समाज में किसी समुदाय के प्रति अलग नजरिया पैदा हो। उन्होंने अपील की कि बेटियों को कमतर आंककर समाज को बांटने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के सामाजिक सुधार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण की वास्तविक लड़ाई तभी सार्थक होगी, जब इसमें धर्म, समुदाय और वर्ग के आधार पर कोई भेदभाव न हो। रिजिजू के बयान को राहुल गांधी और कांग्रेस की सामाजिक नीतियों पर भाजपा की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के समाधान में 1712 मामलों का हुआ समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय का समाधान कार्यक्रम, जो एक विशेष लोक अदालत और मध्यस्थता पहल है, बेहद सफल रहा है। 21 से 23 अगस्त तक चले इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 1,712 लंबित मामलों का निपटारा किया गया। पक्षकारों की आपसी सहमति और समझौते के परिणामस्वरूप समाप्त हुए इन मामलों में 240.94 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई, जो इस कार्यक्रम की व्यापक सफलता को दर्शाती है। इस समाधान कार्यक्रम की शुरुआत इसी साल 21 अप्रैल को हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे विवादों को न्यायालय की लंबी और जटिल प्रक्रिया के बजाय मध्यस्थता और आपसी सहमति से सुलझाना था। इस विशेष लोक अदालत में मामलों को लाने से पहले, पक्षकारों और उनके वकीलों के साथ गहन बातचीत के माध्यम से समझौते की कोशिशें की गई थीं, ताकि त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में कुल 3,285 मामले सूचीबद्ध किए गए, जिनमें से पहले दिन 402, दूसरे दिन 350, और तीसरे दिन 912 मामलों का समाधान किया गया। इस प्रकार, लोक अदालत के माध्यम से कुल 1,664 मामले सुलझे, जबकि 48 मामलों का निपटारा मध्यस्थता के जरिए हुआ, जिससे कुल 1,712 विवादों का समाधान संभव हो सका। लोक अदालत की पीठों की अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों और वरिष्ठ वकीलों ने की। इनमें मुख्य रूप से वैवाहिक विवाद, संपत्ति विवाद, सड़क हादसों से जुड़े मुआवजे के मामले, जमीन अधिग्रहण और मुआवजा, कर, सेवा और श्रम संबंधी मामले शामिल थे। इस संस्थागत पहल को सफल बनाने के लिए न्यायाधीशों ने शनिवार और रविवार को भी काम किया। इस पहल से न केवल लोगों के पैसे और समय की बचत हुई, बल्कि न्यायालय का बहुमूल्य समय भी उन मामलों के लिए बचाया जा सका जिनकी सुनवाई अनिवार्य है।

कंगना और अभिजीत के बीच अंग्रेजी पर छिड़ी जंग

नई दिल्ली, एजेंसी।
अपने बेबाक बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाली अभिनेत्री और अब सांसद कंगना रनौत ने एक बार फिर एक नए विवाद को जन्म दिया है। इस बार उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ अपनी अंग्रेजी बोलने की शैली की तुलना की है, जिससे सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। कंगना ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी एक स्टोरी साझा की, जिसमें उन्होंने दीपके के अंग्रेजी में दिए गए एक बयान की रील के साथ अपना कुछ साल पुराना अंग्रेजी का भाषण भी दिखाया। उनके पुराने भाषण में कंगना फिल्म उद्योग में एक महिला कलाकार के रूप में अपनी छवि पर बात करती नजर आती हैं। साझा की गई रील में उन्होंने लिखा, 12वीं पास कंगना रनौत बनाम बोस्टन यूनिवर्सिटी के सीजेपी के दीपके का अंग्रेजी स्तर। एक शानदार है तो वहीं दूसरे को रीबूट की जरूरत है।
यह गौरतलब है कि कंगना पहले भी अपनी अंग्रेजी को लेकर फिल्म उद्योग में संघर्ष कर चुकी हैं, जहां उन्हें अपनी भाषा के लिए उपहास का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने बाहरी लोगों का इस आधार पर मजाक न बनाने की सीख पर जोर दिया था। सीजेपी नेता दीपके ने इस तुलना के बाद अपनी एक सोशल मीडिया स्टोरी में एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया। उनसे पूछा गया था कि वह अंग्रेजी बोलते समय क्यों झिझकते हैं, जिस पर अभिजीत ने कहा कि कैमरे के सामने उन्हें अक्सर संकोच होता है। इसके अगले दिन, उन्होंने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे, शिक्षकों की रिक्तियों और धन से संबंधित डेटा की मांग की। यह पहली बार नहीं है जब सांसद कंगना का सीजेपी नेताओं के साथ सार्वजनिक विवाद हुआ है।

चोर दरवाजे से जारी है आरक्षण खत्म करने की साजिश

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा- सरकार साजिशन सरकारी पदों को खाली रख रही

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी पदों को खाली रखकर और स्थायी नौकरियों की जगह कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती को बढ़ावा देकर आरक्षण के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर कर रही है। खड़गे ने कहा कि भाजपा की नीति का पर्दाफाश हो चुका है और यह संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए सामाजिक न्याय के अधिकारों के खिलाफ है।
कांग्रेस अध्यख खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया, कि केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या लगातार बढ़ी है। उनके मुताबिक, वर्ष 2015 में केंद्र सरकार में करीब 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 तक बढ़कर 8.24 लाख हो गए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पद खाली रहने का सीधा असर उन वर्गों पर पड़ता है, जिन्हें सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलता है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने विभागवार आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि रेलवे में करीब 2.40 लाख, रक्षा विभाग में 2.41 लाख और गृह मंत्रालय में 1.10 लाख पद खाली हैं। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में स्थायी रोजगार घटने और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की संख्या बढ़ने का भी आरोप लगाया।

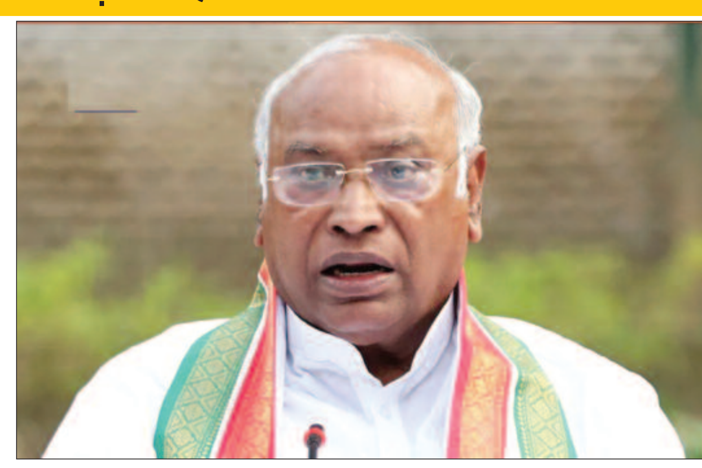

पीएसयू में 5 लाख से ज्यादा स्थायी नौकरियां खत्म

खड़गे के अनुसार, पीएसयू में करीब 5.1 लाख स्थायी नौकरियां खत्म हुई हैं, जबकि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों की हिस्सेदारी 19 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि स्थायी पदों पर आरक्षण का प्रावधान लागू होता है, लेकिन कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोजगार बढ़ने से आरक्षण का दायरा स्वाभाविक रूप से सीमित होता जाता है।

मामला सिर्फ रोजगार का नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि यह मुद्दा केवल रोजगार उपलब्ध कराने का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सरकारी पद खाली रखे जाएंगे तो आरक्षित वर्गों के लिए उपलब्ध अवसर भी कम होते जाएंगे। इसी तरह, पीएसयू के निजीकरण से आरक्षित सरकारी नौकरियों की संख्या घट सकती है और स्थायी पदों को कॉन्ट्रैक्ट में बदलने से आरक्षण का लाभ प्रभावित होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आरक्षण खत्म करने के लिए संविधान में सीधे संशोधन की जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, आरक्षण वाले स्थायी पदों को ही कम या खत्म कर देना इसके लिए पर्याप्त है। उन्होंने इसे सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना के खिलाफ भाजपा का एजेंडा करार दिया।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसएसपी ने कसे पेंच, लंबित विवेचनाओं के जल्द निस्तारण के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सैनिक सम्मेलन के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय रोशनाबाद स्थित सभागार में जुलाई माह की अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें पुलिस अधीक्षक अपराध निशा यादव, पुलिस अधीक्षक नगर अभय सिंह और पुलिस अधीक्षक देहात शेखर चंद्र सुयाल समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गोष्ठी में जिले में पिछले माह हुए अपराधों, उनके अनावरण, विभिन्न अभियानों और लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
एसएसपी नवनीत सिंह ने कहा कि समाज को सुरक्षित बनाना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने लावारिस शवों के मामलों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। कहा कि ऐसे मामलों की अनदेखी से कई बार गंभीर अपराधों का खुलासा नहीं हो पाता और मृतक को न्याय नहीं मिल पाता। थाना प्रभारी मृतकों की शिनाख्त के लिए सीमावर्ती जिलों और राज्यों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक पत्राचार और बातचीत करें तथा उपलब्ध जानकारी जुटाएं।

उन्होंने थाना प्रभारियों को थाने में तैनात पुलिस बल को जिम्मेदारी के अनुसार कार्य आवंटित करने और निर्धारित अवधि में उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारियों को वर्ष 2023, 2024 और 2025 की लंबित विवेचनाओं की समीक्षा कर 15 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। रिपोर्ट में विवेचनाओं के लंबित रहने के कारण और उनके निस्तारण में आ रही समस्याओं का स्पष्ट उल्लेख करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने सभी थानों में रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने और पुलिसकर्मियों को समय से रवाना करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात्रि अधिकारी गश्त की सक्रियता सुनिश्चित करें और अपने क्षेत्र व ड्यूटी की पूरी जानकारी रखें। गंभीर मामलों में आरोप पत्र या अंतिम रिपोर्ट न्यायालय भेजने से पहले विवेचक वैज्ञानिक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन सुनिश्चित करें, ताकि पीड़ितों को न्याय दिलाने में पुलिस की भूमिका प्रभावी रहे।

जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने मंगलवार को जिला पर्यटन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालय की व्यवस्थाओं, कार्यप्रणाली तथा भवन और परिसर का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय परिसर में संचालित चारधाम यात्रा पंजीकरण केंद्र का भी निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा पंजीकरण केंद्र पर यात्रियों के पंजीकरण की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने कार्यालय भवन और परिसर में साफ-सफाई, रखरखाव, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सूचना पट्टों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय परिसर को हमेशा स्वच्छ और सुव्यवस्थित रखा जाए तथा यात्रियों और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

जिलाधिकारी ने जिले के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को अधिक विकसित और आकर्षक बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। उन्होंने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, गृह निवास योजना और पर्यटन विभाग की अन्य योजनाओं के तहत अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर स्थानीय युवाओं और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यटन विभाग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पिछले 8 सालों में भारत में स्कूलों की संख्या घटी, 11 करोड़ बच्चे हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने हाल ही में 'स्कूल ठीक करो' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के जरिए ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों में खराब बुनियादी ढांचे, शिक्षकों और सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों को उठाया। अभियान में सरकारी स्कूलों की घटती संख्या, छात्रों के नामांकन में गिरावट और निजी स्कूलों पर बढ़ती निर्भरता को उजागर किया गया है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 8 सालों में भारत में स्कूलों की संख्या में कमी आई है। इसी दौरान छात्रों के नामांकन में भी गिरावट आई, हालांकि छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार हुआ है। देश में 2018-19 में स्कूलों की कुल संख्या 15.5 लाख थी, जो 2025-26 में घटकर 14.6 लाख रह गई। छात्रों के नामांकन में भी कमी आई है। छात्रों का नामांकन 2018-19 में 26 करोड़ से घटकर 2025-26 में यह 24.7 करोड़ रह गया है।
वहीं, छात्र-शिक्षक अनुपात 2018-19 में 27 छात्रों पर एक शिक्षक से सुधरकर 2025-26 में 24 छात्रों पर एक शिक्षक हो गया है। यह सुधार मुख्य रूप से छात्रों की संख्या घटने की वजह से हुआ है, न कि शिक्षकों की संख्या बढ़ने के कारण। 2025-26 में करीब 31 फीसदी पात्र बच्चों का स्कूलों में नामांकन नहीं था यानी 3 से 17 साल की आयु के करीब 11.1 करोड़ बच्चे स्कूल शिक्षा से बाहर थे। यह स्थिति पिछले 8 सालों से बनी हुई है। अधिकांश सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। करीब 99 फीसदी सरकारी स्कूलों में पीने के पानी की सुविधा, 94 फीसदी में बिजली और 96 फीसदी में शौचालय उपलब्ध हैं। हालांकि, डिजिटल सुविधाओं के मामले में स्थिति अभी कमजोर है। केवल 25 फीसदी स्कूलों में कंप्यूटर, 16 फीसदी में प्रोजेक्टर और 6 फीसदी स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या में आई गिरावट के साथ शिक्षा बजट में भी कमी आई है। कुल केंद्रीय बजट में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2010 में 1.9 फीसदी थी, जो घटकर वित्त 2026 में 1.4 फीसदी रह गई है।

सफाई मित्र बहनों और छात्राओं ने नगर आयुक्त को बांधी राखी, दिया स्वच्छता का संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में सफाई मित्र बहनों के साथ विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने नगर आयुक्त को राखी बांधकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। छात्राओं ने नगर आयुक्त को तिलक लगाकर घर पर तैयार की गई राखियां बांधीं। इस दौरान छात्राओं और सफाई मित्र बहनों ने राखियों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन का संदेश भी दिया। उन्होंने कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रण करें के संदेश के साथ अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी वस्तुएं बनाने की पहल को बढ़ावा देने की अपील की। नगर आयुक्त ने राखी बांधने पहुंची सफाई मित्र बहनों और छात्राओं का धन्यवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने छात्राओं द्वारा स्वयं तैयार की गई राखियों की सराहना की और शहर की स्वच्छता के प्रति उनके जागरूकता अभियान पर खुशी जताई। नगर आयुक्त ने कहा कि यह राखी केवल धागा नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ गाजियाबाद के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का बंधन है। उन्होंने शहरवासियों से भी स्वच्छता बनाए रखने और अपशिष्ट को इधर उधर न फेंकने की अपील की।

कार्यक्रम में कन्या वैदिक विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर तथा गाजियाबाद नगर निगम के चंद्रपुरी विद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की। नगर आयुक्त ने सभी छात्राओं और सफाई मित्र बहनों को मिठाई खिलाकर पुरस्कार एवं चॉकलेट भेंट की। अधिकारियों ने भी छात्राओं और सफाई मित्र बहनों का उत्साह बढ़ाया। नगर आयुक्त ने कहा कि कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रण करें की अवधारणा को दैनिक जीवन में अपनाकर शहर को स्वच्छ रखने में प्रत्येक नागरिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से रक्षाबंधन के पर्व को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए लोगों को सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

गन्ने का भाव 1000 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग, भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की क्षेत्रीय मासिक पंचायत का आयोजन ब्लॉक जलीलपुर के प्रांगण में किया गया। पंचायत की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह फौजी, चौधरी लुधियान सिंह और चौधरी रामपाल सिंह ने संयुक्त रूप से की। पंचायत में किसानों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी।

पंचायत में खादर क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने कहा कि हर वर्ष बाढ़ के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इससे स्थायी राहत के लिए गंगा नदी के किनारे मजबूत और स्थायी बांध का निर्माण कराया जाना जरूरी है। किसानों ने बाजार में लगातार बढ़ रहे चीनी के दामों पर भी चिंता जताई। उन्होंने मांग की कि चीनी के बढ़े हुए दामों के अनुपात में गन्ने का मूल्य भी बढ़ाया जाए और किसानों को गन्ने का भाव 1000 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए।

किसानों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर भी कड़ा रोष जताया। उनका आरोप है कि बिना पूर्व सूचना के बिजली के बिलों में मनमाने तरीके से बढ़ोतरी की जा रही है। इसके अलावा आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने तहसील चांदपुर और ब्लॉक जलीलपुर में कथित भ्रष्टाचार तथा बढ़ती महंगाई पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) बड़ा आंदोलन करेगी। पंचायत के अंत में किसानों की मांगों से संबंधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी जलीलपुर को सौंपा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान और यूनियन पदाधिकारी मौजूद रहे।

आईटीएस मोहन नगर में छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर और एचपीवी से बचाव की जानकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर यूजी परिसर में महिला प्रकोष्ठ शी कनेक्ट के तत्वावधान में राज्यव्यापी अभियान आनंदी मांझएक जीवन बचाओ अभियान के तहत एचपीवी जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर, इसके कारण, लक्षण और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में बताया गया कि सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से मानव पैपिलोमा वायरस संक्रमण से जुड़ा है और समय पर टीकाकरण तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से इसके जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

आईटीएस समूह संस्थानों के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता स्वस्थ और सशक्त समाज की आधारशिला है। उन्होंने छात्राओं से कार्यक्रम में मिली सही जानकारी को परिवार और समाज तक पहुंचाने की अपील की। परिसर की प्रधानाचार्य डॉ. नैंसी शर्मा ने कहा कि बीमारी के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों की जानकारी लोगों को समय पर सही कदम उठाने में मदद करती है। अकादमिक अधिष्ठाता डॉ. विदुषी सिंह ने एचपीवी और सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता तथा नियमित जांच को महिलाओं के स्वस्थ भविष्य के लिए जरूरी बताया। मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा वार्ष्णेय ने छात्राओं को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर के चेतावनी संकेत, बचाव और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी। दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति के माध्यम से देश में विकसित क्यूएचपीवी टीका सवार्वैक, इसके अनुशंसित आयु वर्ग और खुराक संबंधी जानकारी भी दी गई। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राओं ने स्वास्थ्य, टीकाकरण और जांच से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम में बीबीए और बीसीए की छात्राओं ने भाग लिया। समन्वय प्रो. कनिका टंडन, डॉ. नीरजा आनंद, प्रो. अंजलि कुशवाहा, डॉ. मोनिका शर्मा और प्रो. श्वेता कुमार ने किया।

हाईटेक सर्वे से गड्ढों की पहचान, 475 किलोमीटर सड़कों की रिपोर्ट तैयार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त और बेहतर बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। नगर निगम द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित रोड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से पांचों जोन में करीब 475 किलोमीटर सड़कों का सर्वे कराया गया। करीब 250 सड़कों का सर्वे कर छोटे से छोटे गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्सों को तकनीकी प्रणाली के माध्यम से चिह्नित करते हुए उनकी मरम्मत में आने वाले अनुमानित खर्च की सारणी तैयार की गई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने अधिकारियों के साथ सर्वे रिपोर्ट की प्रस्तुति देखी और निर्माण विभाग को रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने बताया कि निर्माण विभाग सड़क सुधार और रखरखाव को लेकर लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में कार्यदायी संस्था साइबर स्विफ्ट के माध्यम से 15 दिन में सर्वे कराया गया। इसमें कविनगर जोन में 106 किलोमीटर, विजयनगर जोन में 54.6 किलोमीटर, वसुंधरा जोन में 110 किलोमीटर, सिटी जोन में 104 किलोमीटर तथा मोहननगर जोन में 98.22 किलोमीटर सड़कों का सर्वे किया गया। प्रस्तुति के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों और छोटे-बड़े गड्ढों की स्थिति भी देखी गई।

मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने सर्वे के आधार पर मोहननगर में अप्सरा बॉर्डर, कविनगर में आई ब्लॉक, संजय नगर के पी ब्लॉक, सिटी जोन में लाल क्वार्टर रोड, वसुंधरा में बुध चौक मार्ग तथा विजयनगर में सेक्टर-12 के ब्लॉक की सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। कार्य धनराशि की उपलब्धता के अनुसार कराया जाएगा। नगर आयुक्त ने कहा कि आधुनिक तकनीक से सड़कों की वास्तविक स्थिति सामने आने से मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के अनुसार कराने में मदद मिलेगी। इस दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी मिथिलेश तथा विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। नगर निगम ने आवास विकास, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को भी उनके अधीन आने वाली सड़कों के सुधार के संबंध में पत्र भेजा है।

विश्व बंधु दिवस पर रक्तदान शिविर और रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की आदर्शनगर कॉलोनी स्थित शाखा में विश्व बंधु दिवस एवं राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को रक्तदान शिविर और रक्षाबंधन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चेयरमैन विनोद वैशाली और विशिष्ट अतिथि डॉ. अभिषेक चौधरी ने फीता काटकर किया। शिविर में 25 लोगों ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. अभिषेक चौधरी ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने लोगों से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने और नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। रक्षाबंधन महोत्सव के अंतर्गत आध्यात्मिक कार्यक्रमों के साथ योग और मुरली ज्ञान का आयोजन भी किया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व केवल भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक नहीं है, बल्कि समाज में प्रेम, विश्वास, पवित्रता, सुरक्षा और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाकर समाज में सकारात्मक वातावरण बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में सभासद ललित त्यागी, गुलाब सिंह, सोनू, बीके सुनीता दीदी, बीके नीतू दीदी, योगेंद्र शर्मा, अक्षय शर्मा, सुमित वर्मा, अभय, मनीषा शिखर और बीके कुंतेश सहित कई लोग मौजूद रहे।

सावन के अंतिम सप्ताह में भी दूधेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन के अंतिम सप्ताह में दूधेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। सावन के चार सोमवार में अंतिम सोमवार को मंदिर में उमड़ी जबरदस्त भीड़ का सिलसिला सोमवार के बाद भी थमता नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान दूधेश्वर नाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर हर-हर महादेव, बम-बम भोले, ओम नमः शिवाय और पार्वती पतये नमः के जयकारों से गूंजता रहा। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे जैसे दिन आगे बढ़ा, मंदिर परिसर में भीड़ बढ़ती गई। श्रद्धालु कतारों में लगकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करते नजर आए। भीड़ में महिलाओं और बच्चों की भी बड़ी संख्या रही। सावन के अंतिम सप्ताह में दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु दूधेश्वर नाथ मंदिर पहुंच रहे हैं। दूधेश्वर नाथ मंदिर के महंत नारायण गिरी ने बताया कि सावन का अंतिम सप्ताह होने के कारण प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। अंतिम सप्ताह में भगवान भोले शंकर के दर्शन और जलाभिषेक का विशेष महत्व होने के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर प्रशासन पुलिस प्रशासन के सहयोग से श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित कर रहा है, ताकि सभी श्रद्धालु आसानी से जल चढ़ाकर भगवान भोले शंकर का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें। उन्होंने श्रद्धालुओं से व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने और शांतिपूर्वक दर्शन करने की अपील की।

सेंट आरसी कॉन्वेंट के निशानेबाजों ने जीता रजत पदक, राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

शामली (शिखर समाचार)। सेंट आरसी कॉन्वेंट स्कूल के होनहार निशानेबाजों ने सहारनपुर के नालंदा वर्ल्ड स्कूल में आयोजित अंडर-14 एयर पिस्टल सीबीएसई उत्तर क्षेत्र-एक निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ खिलाड़ियों ने सीबीएसई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

17 से 20 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा सात के छात्र आरव चौधरी और दक्ष खोखर तथा कक्षा आठ के छात्र जयंत ने सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। तीनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए विद्यालय के लिए रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

विद्यालय लौटने पर विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। स्कूल निदेशक भारत संगल ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्या उजमा जैदी ने भी विजेता छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में भी विद्यार्थी अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों से खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी निशानेबाजों की सफलता पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगीना में गुलदार का आतंक, पशुशाला में घुसकर बछिया को बनाया निवाला

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार देर रात ग्राम इस्लामाबाद में एक गुलदार दीवार फांदकर पशुशाला में घुस गया और वहां बंधी बछिया को मार डाला। इस दौरान पशुशाला में सो रहे मां-बेटे पर भी गुलदार ने हमला करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों के शोर मचाने पर वह मौके से भाग निकला। मंगलवार सुबह गन्ने के खेत के पास गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुलदार को जल्द पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार बढ़ापुर रोड स्थित ग्राम इस्लामाबाद निवासी इंद्रजीत और उनकी मां माया देवी सोमवार रात पशुशाला में सो रहे थे। करीब 11:30 बजे गुलदार दीवार फांदकर पशुशाला में घुस आया और वहां बंधी बछिया पर हमला कर उसे मार डाला। जानवरों की खटपट सुनकर मां-बेटे की आंख खुल गई। दोनों जैसे ही बाहर निकलने लगे, गुलदार ने उन पर भी झपटने का प्रयास किया। दोनों ने शोर मचाया तो गुलदार दीवार लांघकर जंगल की ओर भाग गया। सुबह खेतों पर जा रहे किसानों ने गुलदार को गांव के पास गन्ने के खेत में जाते देखा। इससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन को सूचना दी। उनका आरोप है कि सूचना के काफी देर बाद तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। दूरभाष पर वन विभाग अधिकारियों ने गुलदार को पकड़ने के लिए जल्द पिंजरा लगाने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों के मौके पर न पहुंचने से ग्रामीणों में रोष है।

खतौली पुलिस की नई पहल, हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन कर अपराध से दूर रहने की दिलाई शपथ

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से सम्मानित खतौली कोतवाल दिनेश चंद बघेल ने अपराध नियंत्रण को लेकर नई पहल शुरू की है। उन्होंने क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों को थाने बुलाकर उनका सत्यापन कराया और सभी को अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस दौरान पुलिस ने हिस्ट्रीशीटरों को स्पष्ट चेतावनी दी कि वे भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल न हों और कानून का पालन करते हुए शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करें। पुलिस के अनुसार सत्यापन के दौरान हिस्ट्रीशीटरों से उनकी वर्तमान गतिविधियों और स्थिति के संबंध में जानकारी ली गई। उन्हें बताया गया कि पुलिस की निगरानी में रहने के कारण किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी। कोतवाल दिनेश चंद बघेल ने कहा कि यदि किसी हिस्ट्रीशीटर की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता पाई गई तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने सभी से अपराध का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील भी की। खतौली पुलिस की इस पहल की क्षेत्र में चर्चा हो रही है। पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन करने के साथ उन्हें अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित किए जाने को सकारात्मक कदम माना जा रहा है। इससे अपराधियों में कानून का भय बनाए रखने के साथ आम लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत होने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी, सत्यापन और जागरूकता की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सरकारी स्कूल की वीडियो बनाने पर आप प्रवक्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के जोया गांव स्थित सरकारी स्कूल की वीडियो बनाने और विद्यालय कर्मचारियों से कथित अभद्रता करने के मामले में आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता चंद्रमोहन चौहान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने प्रधानाध्यापक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जोया गांव स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक अली कंबर की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि 22 अगस्त को आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता चंद्रमोहन चौहान विद्यालय परिसर में पहुंचे और स्कूल भवन की वीडियो बनाने लगे। विद्यालय कर्मचारियों ने जब इसका विरोध किया तो आरोप है कि उनके साथ अभद्रता की गई। प्रधानाध्यापक के अनुसार विद्यालय भवन को शिक्षा विभाग पहले ही जर्जर घोषित कर चुका है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आप प्रवक्ता ने विद्यालय भवन से संबंधित वीडियो को अधूरी जानकारी के आधार पर सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। वहीं, चंद्रमोहन चौहान ने रिपोर्ट दर्ज होने पर कहा कि कार्रवाई के माध्यम से सच को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी क्षेत्र की समस्याओं को आगे भी प्रमुखता से उठाती रहेगी। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर चंद्रमोहन चौहान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गणित एवं विज्ञान प्रतियोगिता के विजेता छात्र सम्मानित

दादरी (शिखर समाचार)। गाजियाबाद जनपद के साहिबाबाद स्थित विद्या भारती विद्यालय में 22 अक्टूबर को आयोजित गणित एवं विज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मंगलवार को नगर के रेलवे रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में 11 विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया था। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न वर्गों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कई स्थान प्राप्त किए। विज्ञान के नवाचार मॉडल में विद्यालय की कक्षा सात के छात्र आशीष ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, संवेदकों पर आधारित मॉडल में कक्षा सात के कमलदीप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गणित विषय में कक्षा आठ के मयंक और अभि ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। पत्र वाचन बाल वर्ग में कक्षा छह के नक्ष ने द्वितीय स्थान हासिल किया। मंगलवार को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रबंध समिति की ओर से प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के व्यवस्थापक संजय गर्ग ने कहा कि विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई के साथ विभिन्न शैक्षिक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए। प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने से विद्यार्थियों का उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में रामकुमार वर्मा, रविंद्र गोयल, एकता महेश्वरी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं सदस्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रेलवे स्टाफ कैंटीन की समस्याओं के समाधान की मांग

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित स्टाफ कैंटीन की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण ज्ञापन सहायक कार्मिक अधिकारी मुख्यालय को दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि कैंटीन में लगा वाटर कूलर काफी दिनों से खराब है। कैंटीन में एसी लगा है लेकिन वह भी क्रियाशील नहीं है। इसके अलावा नाश्ता सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने और पूर्व की भांति कर्मचारियों के लिए भोजन की व्यवस्था शुरू कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने सहायक कार्मिक अधिकारी से समस्याओं के संबंध में वार्ता भी की। अधिकारी ने समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने का सकारात्मक आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में महामंत्री कामेश्वर दूबे, केंद्रीय पदाधिकारी अजीत शाही, मंडल मंत्री अभय सिंह, भारतीय मजदूर संघ के सहायक जिला मंत्री प्रभाकर रॉय और मंडल पदाधिकारी विजय कुमार भारती शामिल रहे।

समूह में जोड़ने के नाम पर वसूली का आरोप, निवर्तमान प्रधान और समूह सखी आमने-सामने

गोरखपुर , एजेंसी। पिपरौली ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत पेवनपुर में स्वयं सहायता समूह से महिलाओं को जोड़ने के नाम पर धन वसूली के आरोप को लेकर समूह सखी और निवर्तमान ग्राम प्रधान आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि ब्लॉक स्थित राष्ट्रीय आजीविका मिशन कार्यालय में ही कहासुनी के बाद मारपीट की नौबत आ गई। दोनों पक्षों ने गीडा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। समूह सखी सुमन सिंह के पति जय सिंह विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि समूह के कार्यों को लेकर ग्राम प्रधान राजू ब्लॉक कार्यालय में उनकी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे। विरोध करने पर प्रधान ने कुर्सी उठाकर उन पर हमला कर दिया। उनका दावा है कि घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। वहीं निवर्तमान ग्राम प्रधान राजू ने आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि समूह सखी के पति ने उनके साथ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत गांवों में महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने के लिए इन दिनों फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। यह काम समूह सखी के माध्यम से कराया जा रहा है। ग्राम प्रधान का आरोप है कि समूह सखी महिलाओं से फॉर्म भरने के नाम पर 50 से 100 रुपये तक ले रही हैं। समूह सखी ने इस आरोप से इन्कार किया है।

यूपी में एडेड स्कूलों में मानदेय पर नहीं रखे जा सकेंगे शिक्षक, नीति रद्द

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त स्वीकृत पदों को मानदेय पर भरने की राज्य सरकार की नीति रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा कि स्वीकृत पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त शिक्षक को संबंधित पद का न्यूनतम वेतनमान और अनुमन्य भत्ते दिए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह अहम फैसला मनोज कुमार सिंह समेत करीब 190 याचिकाओं पर सुनवाई करके दिया। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के 9 नवंबर 2023 और 8 जुलाई 2024 के शासनादेशों को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने दोनों आदेशों के बीच विरोधाभास पर सवाल उठाया। कहा कि पहले तदर्थ शिक्षकों को हटाना और बाद में शिक्षकों की कमी बताकर मानदेय पर नियुक्ति की व्यवस्था करना अपरोबेट एंड रीप्रोबेट के सिद्धांत के विपरीत है। सरकार की नीति के तहत हाईस्कूल स्तर के शिक्षक को 25 हजार और इंटरमीडिएट स्तर के शिक्षक को 30 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाना था। कोर्ट ने कहा कि इन पदों का स्वीकृत वेतनमान क्रमशः 44,900-1,42,400 और 47,600-1,51,100 रुपये है। ऐसे में स्वीकृत पद पर काम करने वाले शिक्षक को इससे काफी कम मानदेय देना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दोनों शासनादेशों के स्थान पर कानून के अनुरूप नई व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अस्थायी शिक्षक को स्वीकृत पद का न्यूनतम वेतनमान व अनुमन्य भत्ते दिए जाएंगे।

सीक्रेट हाउस गेम का वीडियो देख घर से निकले दो बच्चे, यहां पर बनाया ठिकाना

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के हस्तिनापुर में 11 और 7 साल के दो बच्चे अपने घर से गायब हो गए। वे यूट्यूब पर सीक्रेट हाउस गेम का वीडियो देखकर प्रेरित हुए थे। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बच्चों ने 24 घंटे का चैलेंज पूरा करने के लिए अपना ठिकाना बनाया था। बच्चों ने एक फार्महाउस के पास सुनसान जगह पर अपना गुप्त ठिकाना बनाया था। उनके परिवारों ने रविवार दोपहर बच्चों के अचानक गायब होने की सूचना पुलिस को दी। हस्तिनापुर की बी-ब्लॉक कॉलोनी में रहने वाले ये बच्चे आस-पड़ोस और रिश्तेदारों के घरों में नहीं मिले। परिवारों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस और मिशन शक्ति की टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। टीम ने लगभग दो घंटे के भीतर दोनों बच्चों को सुरक्षित ढूंढ निकाला। बच्चों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया। सर्कल ऑफिसर (मवाना) पंकज लवानिया ने इस घटना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों ने पूछताछ में गेमिंग कंटेंट देखने की बात स्वीकार की। वे सीक्रेट हाउस गेम के वीडियो से बहुत प्रभावित हुए थे। इसी प्रेरणा से उन्होंने खुद भी वैसा ही गेम खेलने का फैसला किया था। इस गेम में खिलाड़ी कुछ नियमों का पालन करते हुए 24 घंटे के लिए एक गुप्त ठिकाना बनाते हैं। वे उस ठिकाने के अंदर छिप जाते हैं, जैसा कि बच्चों ने किया।बच्चों के गायब होने की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। मिशन शक्ति टीम के साथ मिलकर एक व्यापक खोज अभियान चलाया गया। पुलिस ने संभावित ठिकानों और आसपास के सुनसान क्षेत्रों में गहन तलाशी ली। लगभग दो घंटे की लगातार मशक्कत के बाद बच्चों को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। इस त्वरित और सफल कार्रवाई से दोनों बच्चों को जल्द ही उनके परिवार के पास पहुंचाया जा सका।

एक घंटे 50 मिमी बारिश, 12 उड़ानें रहीं लेट

जिले के ऊपर से गुजर रही मानसून की रेखा

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सोमवार रात करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई और लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया और उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। कई स्थानों पर सड़कों पर पानी भरने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

काशी में सोमवार की रात एक घंटे में ताबड़तोड़ 50 मिलीमीटर बारिश हुई। चमकती बिजली और गरजते बादलों से लोग सहम गए। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून की द्रोणी (रेखा) इन दिनों काशी के ऊपर से ही गुजर रही है। यानी कि काशी में ही पुरवा और पछुआ हवा के मिलने से बारिश अच्छी हो रही है।

सोमवार की रात 9 बजे से लेकर 10 बजे तक बारिश इतनी तेज थी कि सड़कों पर 20 मिनट में ही जलभराव सा हो गया। उसके बाद कहीं तेज तो कहीं धीमी बरसात हुई।

कैंट, सुदंरपुर, लहरतारा, मंडुआडीह, चांदपुर, रथयात्रा आदि इलाकों में बारिश के चलते सड़कों पर आवागमन काफी दूभर हो गया। वहीं रोहनिया और ग्रामीण इलाकों में भराव जैसी बारिश नहीं हुई। बारिश के चलते तापमान भी

पांच डिग्री तक लुढ़क गया।

रात 10 बजे के बाद पारा 33 डिग्री से 28 डिग्री पर आ गया। जिले का अधिकतम पारा 34.5 डिग्री और न्यूनतम पारा 26 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से सोमवार को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया था। पूरे दिन आसमान में कभी धूप तो कभी बादल छाये रहे, लेकिन बारिश का माहौल शाम छह बजे के बाद से ही बनने लगा था।

काशी में मानसून सक्रिय है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मानसूनी द्रोणी का पूर्वी छोर काशी और पूर्वांचल के ऊपर से ही गुजर रहा है। प्रदेश से निम्न दबाव क्षेत्र तक जा रही द्रोणी के कारण प्रदेश में मानसूनी सक्रियता बढ़ रही है। अगले दो दिनों तक कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ आगामी 24 घंटों में कही-कहीं बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके बाद प्रदेश के पश्चिमी भाग में पछुआ हवाओं की सक्रियता बढ़ने से वर्षा की तीव्रता में कमी आ सकती है।

खराब मौसम की वजह से 12 उड़ानें रहीं लेट

खराब मौसम के कारण सोमवार को 12 उड़ानें लेट रहीं। विलंब होने वाली उड़ानों में छह दिल्ली की, चार मुंबई और दो उड़ानें बंगलूरू की रहीं। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सोमवार को दिल्ली-वाराणसी-दिल्ली की छह उड़ानें देरी से आईं और प्रस्थान कीं। इसमें एअर इंडिया की दो उड़ानें 44 मिनट लेट रहीं। इंडिगो की दो उड़ानें 53 मिनट और दो उड़ानें 25 मिनट लेट रहीं।

मुंबई की चार उड़ानों में से अकासा एयर की दो उड़ानें 36 मिनट और दो उड़ानें 1.03 घंटे देर से आईं और गईं। वहीं, सबसे ज्यादा लेट बंगलूरू की उड़ानें रहीं। दोनों उड़ानें 2.08 घंटे मिनट की देरी से आईं और गईं। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि उड़ानों की देरी की सूचना यात्रियों को पहले ही दे दी गई थी।

क्रिकेटर प्रवीण कुमार सहित 20 लोगों को नोटिस, डेयरियों की गंदगी नालों में बहाने पर कार्रवाई

मेरठ, एजेंसी। शहर में डेयरियों से फैल रही गंदगी और नालों में गोबर बहाने की समस्या पर नगर निगम ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। निगम ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार सहित 20 डेयरी संचालकों को नोटिस जारी किया है।

नगर निगम ने सभी संबंधित डेयरी संचालकों को तीन दिनों के भीतर नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। यदि वे संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं, तो निगम द्वारा सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में क्रिकेटर प्रवीण कुमार ने बताया कि उन्होंने संतनगर, कंकरखेड़ा में अपनी जमीन किराए पर दी थी और नोटिस मिलने के बाद उन्होंने उस जमीन को खाली करा लिया है। ये कार्रवाई संत विहार आवासीय कॉलोनी में की गई है, जोकि कंकरखेड़ा जोन के अंतर्गत आती है। जहां जलभराव और नालियों के चोक होने की शिकायत के बाद प्रवीण कुमार की डेयरी को भी बंद कराया गया था।

अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी ने

बताया कि निगम द्वारा डेयरियों को शहर से बाहर कैटल कॉलोनी में स्थानांतरित करने की योजना पर काम कराया जा रहा है। हालांकि भूमि अनुपलब्धता के कारण इस योजना के क्रियान्वयन में बाधा आ रही है। इससे पहले 2020 में भी नगर निगम ने 45 डेयरी संचालकों पर 3.55 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। तब उन्होंने नालों में गोबर बहाया था।

नगर आयुक्त सौरभ गंगवार का कहना है कि नालों में गोबर बहाया जा रहा है। चार दिन पहले डेयरी संचालकों के साथ बैठक की गई थी। डेयरी से नाली या नालों में गोबर बहाने के कारण कई समस्याएं हैं। संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

रिश्तेदारों के नाम पर नहीं मिलेगा थोक औषधि लाइसेंस, नकली दवाओं पर अब कसेगा शिकंजा; होगी जांच

वाराणसी, एजेंसी। दवाइयों के अवैध और नकली कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए शासन ने थोक औषधि लाइसेंस जारी करने के नियम और सख्त कर दिए हैं। अब अवैध दवा कारोबार में संलिप्त पाए गए लोगों के रिश्तेदारों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के नाम पर लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने नकली, अधोमानक, मिलावटी और एनडीपीएस श्रेणी की औषधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, कुछ अवैध गतिविधियों में संलिप्त कारोबारी कार्रवाई के बाद अपने रिश्तेदारों, सहयोगियों या अन्य संबंधित व्यक्तियों के नाम पर औषधि लाइसेंस लेकर कारोबार करते हैं। अब ऐसे मामलों की पहचान कर लाइसेंस प्रक्रिया में आवेदक की पृष्ठभूमि के साथ ही उसके कारोबारी संबंधों की भी गहन जांच की जाएगी।

नए निर्देशों के बाद थोक औषधि लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति के साथ उसके कारोबारी साझेदारों और सहयोगियों की पृष्ठभूमि की भी पड़ताल होगी। लाइसेंस जारी करने से पहले यह देखा जाएगा कि संबंधित व्यक्ति के दस्तावेज, बिल, जीएसटी पंजीकरण, बैंक खाता और ई-वे बिल आदि लाइसेंस स्वामी के नाम पर ही हैं या नहीं।

दवा कंपनियों पर सख्तीः केंद्र ने ड्रग्स नियमों में किए बदलाव, गलत जानकारी देने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

शासन ने पहले डिबार किए जा चुके कारोबारी या उनसे जुड़े बिजनेस पार्टनर और एसोसिएट को दोबारा लाइसेंस प्रक्रिया में शामिल होने से रोकने के भी निर्देश दिए हैं। इससे अवैध कारोबार में शामिल लोगों द्वारा दूसरे व्यक्तियों के नाम पर लाइसेंस लेकर कारोबार करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सकेगी। आजमगढ़ में भी बीते दिनों कई मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ अवैध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में कार्रवाई हो चुकी है। कोडिन सिरप सहित अन्य दवाओं के अवैध कारोबार से जुड़े मामलों में कार्रवाई के बाद अब शासन के नए निर्देशों के तहत जिले में भी सख्ती बढ़ाई जाएगी।

दवाई के अवैध कारोबार पर लगाम कसने के लिए शासन स्तर से सख्ती बरती जा रही है। अवैध कारोबारियों के रिश्तेदारों के नाम पर भी थोक औषधि लाइसेंस जारी नहीं होंगे। इससे नकली और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

– सीमा वर्मा,
औषधि निरीक्षक, आजमगढ़।

पंचायत सहायकों ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, सात सितंबर से धरने की चेतावनी

शामली (शिखर समाचार)। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। पंचायत सहायकों ने मानदेय बढ़ाने, संविदा व्यवस्था समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली लागू करने सहित अन्य मांगों पर एक सप्ताह के भीतर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। मांगें पूरी नहीं होने पर सात सितंबर से लखनऊ के ईको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी।

ज्ञापन में कहा गया कि यूनियन की ओर से एक जून को मांग पत्र और अल्टीमेटम ज्ञापन दिया गया था। इसके बाद तीन जून को शासन स्तर पर पंचायत सहायक प्रतिनिधिमंडल की पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव के साथ वार्ता हुई थी। वार्ता में प्रमुख मांगों के समाधान के लिए दो माह का समय मांगा गया था। यूनियन का कहना है कि निर्धारित अवधि बीतने

के बाद भी मानदेय बढ़ाने और स्थायी सेवा सहित प्रमुख मांगों पर कोई सकारात्मक आदेश जारी नहीं हुआ है, जिससे पंचायत सहायकों में रोष है।

पंचायत सहायकों ने मुख्यमंत्री से पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात कराने की मांग की। साथ ही मानदेय बढ़ाकर ग्राम पंचायत सचिव के समान 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने अथवा प्रदेश में निर्धारित न्यूनतम कुशल मजदूरी दर के बराबर मानदेय देने की मांग रखी। इसके अलावा अनुबंध एवं संविदा व्यवस्था समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली लागू करने, राज्य कर्मचारी का दर्जा देने तथा आगामी ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती में 50 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने की मांग की गई।

यूनियन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि एक सप्ताह में मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो सात सितंबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। इस दौरान मो. फैसल, सूरज कुमार, शादाब, नितिन कुमार, कमल सैनी, प्रतिज्ञा सैनी और साईस्ता चौहान सहित अन्य पंचायत सहायक मौजूद रहे।

जल निगम की लापरवाही से संजय विहार में सड़क बदहाल, गड्ढों से हादसों का खतरा

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के मेरठ रोड स्थित पॉश कॉलोनी संजय विहार आवास विकास में जल विभाग की लापरवाही से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। करीब एक माह पूर्व जल निगम की ओर से पेयजल पाइप लाइन डालने के लिए कॉलोनी की मुख्य सड़क और फुटपाथ को खोदा गया था। काम पूरा होने के बावजूद गड्ढों को अब तक ठीक नहीं कराया गया है। इसके चलते सड़क जगह-जगह से धंसकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है। कॉलोनीवासियों के अनुसार सड़क की बदहाल स्थिति के कारण वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। बुजुर्गों और बच्चों को विशेष रूप से दिक्कत हो रही है। लोगों का कहना है कि गड्ढों के कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है। दोपहिया वाहन चालक और कार सवार गड्ढों में फंसकर गिर रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक अब तक आधा दर्जन से अधिक लोग चोटिल हो चुके हैं। बारिश के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। गड्ढों में पानी

भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता, जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है। लोगों का आरोप है कि कॉलोनी से प्रतिदिन सैकड़ों लोग और कई प्रशासनिक अधिकारी गुजरते हैं, इसके बावजूद सड़क की स्थिति सुधारने की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। कॉलोनीवासियों ने बताया कि जल निगम और नगर पालिका में कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी कविता मीना से मांग की है कि सड़क की जल्द मरम्मत कराई जाए तथा लापरवाही बरतने वाले ठेकेदार और संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

एक लाख में बनता फर्जी प्रमाणपत्र, एसटीएफ के रडार पर डॉक्टर-कर्मचारी, सीएमओ बोले- बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में बैंक पीओ परीक्षा में फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र से अभ्यर्थी को सहायक (सॉल्वर) मुहैया कराने के खेल में स्वास्थ्य महकमे में कॉकस सक्रिय है। इसमें डॉक्टर, दिव्यांग बोर्ड के सदस्य, कर्मी और तकनीशियनों की मिलीभगत की आशंका है। यह कॉकस फर्जी प्रमाणपत्र तो बनवा ही रहा है। इसके साथ सुविधा शुल्क लेकर दिव्यांगता प्रतिशत भी बढ़ाता है।

सचेंडी में एक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा में सेंधमारी के खुलासे के बाद इस कॉकस के राज बाहर आने की उम्मीद है। वहीं, सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने प्रकरण की विभागीय जांच की भी बात कही है। सीएमओ की ओर से गठित दिव्यांग बोर्ड में हड्डी, नेत्र, नाक-कान-गला, मानसिक रोग सहित सभी तरह के विशेषज्ञ हैं। सूत्रों के अनुसार, फर्जी दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने वाला कॉकस इनमें से कुछ चिकित्सकों और कर्मियों की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा करता है।

एक लाख या उससे भी ज्यादा रुपये लेता है

इनमें उर्सला और कांशीराम अस्पताल के कुछ तकनीशियन भी शामिल बताए गए हैं। बोर्ड के चिकित्सक आम तौर पर इन्हीं अस्पतालों से दिव्यांगता के लिए बेरा मशीन से बहरेपन की जांच के अलावा

नेत्रों, एक्सरे, मानसिक स्थिति आदि की जांच कराते हैं। सूत्रों का कहना है कि फर्जी प्रमाणपत्र बनाने वाला कॉकस इसके 10 हजार से लेकर एक लाख या उससे भी ज्यादा रुपये लेता है।

सख्त है प्रमाणपत्र बनवाने की प्रकिया, फिर भी...

दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया काफी सख्त है। ऑनलाइन आवेदन करने पर दिव्यांग बोर्ड के सामने उपस्थित होने की तारीख दी जाती है। निर्धारित तारीख पर पहुंचने पर प्रारंभिक परीक्षण के बाद जरूरत के हिसाब से जांचें लिखी जाती हैं। जांचें कराने के बाद बोर्ड फिर दिव्यांगता संबंधी परीक्षण के साथ ही जांच रिपोर्टों का भी आकलन करता है। दिव्यांगता और उसका प्रतिशत तय किया जाता है।

बोर्ड हर हफ्ते 80 से 100 दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी करता है

इसी आधार पर यूडीआईडी कार्ड बनता है। यह आवेदक के पते पर पहुंचता है। ऑनलाइन भी डाउनलोड किया जा सकता है। दिव्यांग बोर्ड प्रत्येक सोमवार को कांशीराम अस्पताल और प्रत्येक गुरुवार को उर्सला में बैठता है। डीएम की अध्यक्षता में होने वाले तहसील दिवस में भी बोर्ड मौजूद रहता है। बोर्ड हर हफ्ते 80 से 100 दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी करता है।

एसटीएफ ने कहा- सीएमओ दफ्तर के कुछ लोग चिह्नित

एसटीएफ के इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र कुमार राय ने बताया कि फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाने के बारे में सीएमओ दफ्तर के लिए कुछ लोगों को चिह्नित किया गया है। उनसे भी पूछताछ की जाएगी।

मैंने विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इस तरह का मामला विभाग के लिए ठीक नहीं है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, बख्शे नहीं जाएंगे। -डॉ. हरिदत्त नेमी, सीएमओ

एमपी के सॉल्वर गिरोह से भी सरगना का हो सकता है लिंक

कानपुर/लखनऊ। एसटीएफ ने गिरोह के सरगना मनीष मिश्रा की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। वह वर्तमान में झांसी के सनफ्रान अशोक सिटी में रह रहा है। एसटीफ सूत्रों के अनुसार सरगना के तार यूपी के अलावा एमपी के सॉल्वर गिरोह से भी जुड़े हो सकते हैं। उसकी तलाश के लिए संतकबीर नगर, लखनऊ, कानपुर व बुंदेलखंड के जिलों में भी दबिश दी जा रही हैं।

जूनियर क्लर्क भर्ती में भी किया था फर्जीवाड़ा

गिरोह के सरगना मनीष को इसी साल 25 मार्च को सीबीएसई की ओर से आयोजित जूनियर क्लर्क भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा में पकड़ा गया था। वह जमानत पर छूटा था। मनीष बिहार का राजू गुप्ता नाम का शख्स बेहद करीबी है।

इन 12 लोगों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी

मनीष कुमार मिश्रा, राजू गुप्ता, राहुल यादव, शमशेर सचान उर्फ शीलू, मनोरंजन, मनोज कुमार यादव, सुरजीत, अनुराधा कनौजिया (रावतपुर, कानपुर), अंकित सचान (बर्रा दो, कानपुर) राहुल सिन्हा (बिहार) आशीष कुमार (बिहार), अवनीश यादव (संजीव नगर, चकेरी) के नाम शामिल हैं।

चीनी के स्टॉक और कीमतों पर प्रशासन सख्त, 4000 कुंतल से अधिक भंडारण पर होगी कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में चीनी की उपलब्धता, स्टॉक और कीमतों को लेकर जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों और चीनी स्टॉक होल्डरों की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने चीनी की उपलब्धता, भंडारण, मूल्य और भारत सरकार के पोर्टल पर स्टॉक की ऑनलाइन घोषणा की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित स्टॉक सीमा और अन्य प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जाए। चीनी पर स्टॉक सीमा एक अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगी। इसके तहत कोई भी डीलर या स्टॉक होल्डर किसी भी समय और किसी भी स्थान पर 4000 कुंतल से अधिक चीनी का भंडारण नहीं कर सकेगा। साथ ही, प्राप्ति की तारीख से 30 दिन से अधिक अवधि तक चीनी का भंडारण भी नहीं किया जा सकेगा। सभी डीलर और स्टॉक होल्डर के लिए भारत सरकार के संबंधित पोर्टल पर पंजीकरण कराकर नियमित रूप से स्टॉक की ऑनलाइन घोषणा करना अनिवार्य है।

मेधा रूपम ने निर्देश दिए कि पोर्टल पर घोषित स्टॉक और वास्तविक भौतिक स्टॉक में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण, जमाखोरी या मुनाफाखोरी मिलने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। तहसीलवार गठित टीमें प्रत्येक शुक्रवार को ऑनलाइन घोषित स्टॉक और वास्तविक स्टॉक का सत्यापन करेंगी।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक हुए सत्यापन में जनपद में 4367.50 कुंतल चीनी का स्टॉक मिला, जो भौतिक सत्यापन में सही पाया गया। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि चीनी की उपलब्धता को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें। जनपद में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है और बाजार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

घंघोला के 23 किसानों को मिले छह फीसदी आबादी भूखंड

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने घंघोला गांव के 23 किसानों को लंबे समय से लंबित छह फीसदी आबादी भूखंड आवंटित कर दिए हैं। मंगलवार को किसानों की मौजूदगी में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी लवगीत कौर और विशेष कार्याधिकारी अजय शर्मा ने समान आकार वाले 16 भूखंडों का ड्रा कराया। वहीं, सात भूखंडों का आकार अलग-अलग होने के कारण उनके लिए ड्रा की आवश्यकता नहीं पड़ी और किसानों के नाम सीधे भूखंडों का आवंटन कर दिया गया।

दरअसल, घंघोला गांव के किसानों की जमीन अधिग्रहित किए जाने के बाद से छह फीसदी आबादी भूखंड लंबित चल रहे थे। पात्र किसान आबादी भूखंडों के आवंटन की मांग को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार से मिले थे। किसानों ने उनसे लंबित भूखंडों का आवंटन शीघ्र कराने का अनुरोध किया था। इस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद नियोजन विभाग और छह फीसदी आबादी भूखंड विभाग ने आवंटन की प्रक्रिया पूरी की।

प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी अजय शर्मा ने कहा कि किसानों को छह फीसदी आवासीय भूखंड उपलब्ध कराना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। घंघोला की तर्ज पर अन्य गांवों के पात्र किसानों को भी नियमानुसार आबादी भूखंड शीघ्र आवंटित किए जाएंगे। ड्रा के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक नियोजन सुधीर कुमार, प्रबंधक प्रमोद कुमार, प्रबंधक संदीप रावल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। भूखंड आवंटन होने से किसानों में संतोष की भावना देखी गई।

भक्ति में ऊंच नीच या जाति का भेद नहीं, केवल भाव और समर्पण प्रधान : दिव्य योगी राज राजेश्वर महाराज

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। नगर की अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित श्रीराम कथा में कथावाचक महामंडलेश्वर दिव्य योगी राज राजेश्वर महाराज ने अरण्यकांड और सुंदरकांड की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भक्ति में ऊंच नीच या जाति का कोई भेद नहीं होता। भगवान के लिए भक्त का भाव, श्रद्धा और समर्पण ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने शबरी प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने सच्ची भक्ति में सामाजिक भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं बताया। उन्होंने कहा कि अरण्यकांड जीवन के उस चरण का प्रतीक है, जब मनुष्य बाहरी सुखों से आगे बढ़कर साधना, भक्ति और कठिन परीक्षाओं के दौर में प्रवेश करता है। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, मयार्दा और सच्ची भक्ति का वास्तविक स्वरूप सामने आता है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियां मनुष्य की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी आध्यात्मिक शक्ति की परीक्षा होती हैं। अंधकार और अकेलेपन में भी राम नाम का दीप जलाए रखना ही सच्चा पुरुषार्थ है। श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा मित्र संकट की घड़ी में अपने साथी का साथ देता है। सुंदरकांड की महिमा बताते हुए महाराज ने कहा कि यह भक्ति, शक्ति, विश्वास और समर्पण का संदेश देता है। हनुमान जी के जीवन से सीख मिलती है कि अहंकार त्यागकर स्वयं को प्रभु के चरणों में समर्पित करने से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। उन्होंने समुद्र लांघने और लंका में बाधाओं को पार करने के प्रसंग से कहा कि बाहरी बाधाओं से अधिक मनुष्य के भीतर का भय उसे रोकता है, जिसे प्रभु भक्ति दूर कर देती है। उन्होंने कहा कि शक्ति का उपयोग सेवा, ज्ञान का उपयोग विनम्रता और सफलता का उपयोग प्रभु को समर्पित करने में करना चाहिए। लंका दहन को उन्होंने अहंकार, लोभ, मोह और अन्य विकारों के अंत का प्रतीक बताया। मंच संचालन प्राचार्य रवि तायल ने किया। कथा के यजमान सुनील सैनी रहे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

अवैध खनन का डंपर छुड़ाने और सिपाही से मारपीट में दो गिरफ्तार

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। अवैध रेत से भरे डंपर को पुलिस अभिरक्षा से जबरन छुड़ाने, पुलिसकर्मी के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कैराना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक डंपर और घटना में इस्तेमाल कार को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार 22/23 अगस्त की रात खनन अधिकारी सुधाकर अपने साथ आरक्षी अजीत सिंह और निजी वाहन चालक भूपेंद्र सिंह को लेकर कांधला रोड पर वाहनों की जांच कर रहे थे। जांच के दौरान रेत से भरे दो डंपर रोके गए। दोनों चालकों के पास रेत परिवहन से संबंधित रॉयल्टी उपलब्ध नहीं थी। खनन अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए एक डंपर को यमुना ब्रिज चौकी पर सीज करा दिया, जबकि दूसरे डंपर को आरक्षी अजीत सिंह चौकी की ओर लेकर जा रहे थे। आरोप है कि कैराना बाईपास तिराहे पर दो कारों में सवार लोगों ने डंपर को रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने आरक्षी को घेरकर गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी पुलिस अभिरक्षा में जा रहे डंपर को जबरन अपने साथ ले गए। पुलिस ने मामले में अमजद पुत्र खुर्शीद और खुर्शीद पुत्र यूसुफ निवासी ग्राम गंदराऊ, थाना कैराना को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार, कांस्टेबल रवि सोम और कांस्टेबल लोकेश शामिल रहे।

ऑपरेशन शस्त्र अभियान में अवैध तमंचे और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। बहादुरगढ़ थाना पुलिस ने ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त वरुण पुत्र जितेंद्र निवासी ग्राम सिकंदरपुर, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ है। पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर युवक को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद अवैध हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने और उनकी तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग और निगरानी लगातार जारी रहेगी। पुलिस की कार्रवाई से अवैध हथियार रखने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

ईंट से लदी ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, खाई में दबने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के आकलपुर गाँव के निकट मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ईंटों से लदी एक बेकाबू ट्रैक्टर ट्राली अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा पलटी, जिससे ट्राली के नीचे दबकर दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर ट्राली बुलंदशहर से ईंट लादकर जेवर की ओर खाली करने के लिए जा रहा था। दोपहर करीब तीन बजे गाँव आकलपुर के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे में ट्राली में सवार दो मजदूर ईंटों के ढेर के नीचे दब गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और करीब आधे घंटे तक राहत बचाव कार्य चलाकर ईंटों के नीचे दबे शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान जनपद बुलंदशहर के रामपुर गाँव निवासी अर्जुन (२३) और कालू उर्फ आकाश (२६) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों मजदूर ट्राली में बैठकर जा रहे थे और हादसा इतना भीषण था कि उन्हें बचाने का कोई मौका नहीं मिला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल, इलाके में शोक की लहर है और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

डीएम कविता मीना का प्राथमिक विद्यालय में औचक निरीक्षण, खामियों पर प्रधानाध्यापक को फटकार

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना ने मंगलवार को विकास खंड हापुड़ स्थित प्राथमिक विद्यालय अच्छेजा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खामियाँ पाए जाने पर उन्होंने प्रधानाध्यापक को कड़ी फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, शौचालयों की स्थिति, पेयजल व्यवस्था तथा शिक्षण कार्य का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों से पढ़ाई को लेकर सवाल-जवाब भी किए और उनके ज्ञान स्तर को परखा।

इस दौरान मध्याह्न भोजन का मेन्यू बोर्ड प्रदर्शित न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानाध्यापक को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन समय पर उपलब्ध कराया जाए और मेन्यू बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाए। साथ ही, उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी को निर्देश दिया कि विद्यालय में पुस्तकों और वर्दी के वितरण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए तथा शिक्षण स्तर में सुधार लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ।

निवाड़ी विधि विज्ञान प्रयोगशाला को एनएबीएल की प्रमाणिकता, प्रदेश में पहला स्थान

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कस्बा निवाड़ी स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से उत्कृष्ट कार्य का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के साथ ही निवाड़ी विधि विज्ञान प्रयोगशाला प्रदेश की ऐसी पहली प्रयोगशाला बन गई है, जिसे यह प्रतिष्ठित प्रमाणिकता मिली है।

एनएबीएल के संयुक्त निदेशक विकास जायसवाल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक डॉ. आदर्श कुमार को औपचारिक रूप से प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. आदर्श कुमार ने बताया कि करीब डेढ़ वर्षों तक एनएबीएल की टीम ने प्रयोगशाला की कार्यप्रणाली, जाँच रिपोर्ट, नमूना संग्रहण सहित विभिन्न मानकों की गहन जाँच की। टीम ने कई बार औचक निरीक्षण किया और अपने नमूनों की जाँच कराकर यहाँ की गुणवत्ता को भी परखा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी निरीक्षण किया गया।

डॉ. आदर्श कुमार ने बताया कि प्रदेश की १२ विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं में एनएबीएल प्रमाण पत्र हासिल करने वाली यह पहली प्रयोगशाला है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। फिलहाल यह प्रमाणिकता चार वर्षों के लिए दी गई है, जिसके बाद एनएबीएल की टीम पुनः निरीक्षण कर अवधि बढ़ाने पर विचार करेगी। प्रयोगशाला के ११ अनुभागों में से तीन भौतिक, प्रलेख और डीएनए अनुभाग को यह प्रमाणिकता मिली है। प्रलेख अनुभाग में हस्ताक्षर, लेखन और दस्तावेजीकरण की जाँच होती है, जबकि भौतिक अनुभाग में घटनाओं में प्रयुक्त रस्सी, भार, बैलेस्टिंग आदि की जाँच की जाती है। डीएनए अनुभाग अज्ञात शवों की पहचान जैसे कार्य करता है। विशेष बात यह है कि प्रदेश में केवल निवाड़ी प्रयोगशाला में ही पॉलीग्राफ (झूठ पहचान) जाँच की सुविधा उपलब्ध है। इस प्रयोगशाला में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नौ जिले शामिल हैं, और इन जिलों के अपराधों में फोरेंसिक साक्ष्यों की जाँच का भार इसी पर है। डॉ. आदर्श कुमार ने बताया कि पूरे प्रदेश में कुल १२ विधि विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं, और इसी वर्ष तीन नए मंडलों में भी प्रयोगशालाएँ शुरू हो जाएँगी, जिससे काम का बोझ कम होगा और जाँच प्रक्रिया तेज होगी। उन्होंने कहा कि यह सफलता यहाँ के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

योगी सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश में बुनियादी शिक्षा और बच्चों की सीखने की क्षमता को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अध्ययन का विषय बन रहे हैं। निपुण भारत मिशन के तहत भारत में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान सुधारों को समझने के उद्देश्य से केन्या, ब्राजील, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका और सेनेगल के करीब 70 वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों का दल गाजियाबाद पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने नगर, राजापुर, लोनी और मुरादनगर ब्लॉकों के 11 परिषदीय विद्यालयों का दौरा कर कक्षा शिक्षण का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। 23 से 27 अगस्त तक चल रहे सप्ताहभर के पीयर लर्निंग इमर्शन कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधियों को छोटे समूहों में विद्यालयों का भ्रमण कराया गया। उन्होंने कक्षाओं में चल रही शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को देखा और विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, अकादमिक रिसोर्स पर्सन तथा राज्य संसाधन समूह के अधिकारियों से संवाद किया। प्रतिनिधियों ने यह समझने का प्रयास किया कि निपुण भारत मिशन के तहत तैयार नीतियों और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से जुड़े सुधारों को कक्षा स्तर तक किस तरह लागू किया जा रहा है। विद्यालय भ्रमण के बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ तकनीकी चर्चा भी हुई। इसमें जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और राज्य संसाधन समूह के सदस्य शामिल हुए। चर्चा के दौरान पाठ्यक्रम, अध्ययन उद्देश्यों, संरचित शिक्षण-अधिगम सामग्री, शिक्षक मार्गदर्शन एवं मेंटरिंग, आकलन और आंकड़ों के उपयोग जैसे विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा शिक्षा सुधारों को बड़े स्तर पर लागू करने में मध्य स्तर के अधिकारियों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से सीधे संवाद कर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया, शिक्षकों को मिलने वाले अकादमिक सहयोग तथा कक्षा शिक्षण से जुड़े अनुभवों को समझा। यह दौरा उत्तर प्रदेश में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत किए जा रहे बुनियादी शिक्षा सुधारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा करने और विभिन्न देशों के बीच अनुभवों के आदान प्रदान का अवसर भी बना। लाइटहाउस इंडिया इमर्शन कार्यक्रम की मेजबानी सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन कर रहा है। कार्यक्रम में सेंट्रो लेमन और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन का सहयोग प्राप्त है, जबकि ग्लोबल स्कूल फोरम, ऑप्टिमा और गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है।

पवन चौरोली के नेतृत्व में बीकेयू का धरना दूसरे दिन भी जारी, अधिकारियों से वार्ता निष्फल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा दिया जा रहा धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी अनवरत जारी रहा। धरने के इस दूसरे दिन कई अन्य किसान संगठनों ने भी आंदोलन को अपना समर्थन दिया, जिससे किसानों के संघर्ष को व्यापक जनसमर्थन मिलता दिख रहा है।

गौरतलब है कि पवन चौरोली के नेतृत्व में यमुना एक्सप्रेस मार्ग के खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियों के निर्माण तथा नोएडा, ग्रेटर नोएडा आवागमन के लिए मार्ग को टोल मुक्त करने की मांगों को लेकर सोमवार से यह धरना प्रारंभ हुआ था। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के जिला अध्यक्ष संजय शर्मा तथा भारतीय किसान यूनियन (जनसेवा शक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमदत्त शर्मा ने धरना स्थल पर पहुँचकर इन माँगों का पुरजोर समर्थन किया।

इस अवसर पर प्रवीन गर्ग, संजू ठाकुर, कुलदीप पंडित, राम गौड़ भोला, सुरेश शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पवन कुमार सिंह चारोली ने बताया कि मंगलवार को भी अधिकारियों के साथ वार्ता हुई, जो पूर्णतः निष्फल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी भ्रामक बातें करके धरना समाप्त करवाना चाहते हैं, जबकि उनकी माँगों पर कोई गंभीर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक माँगें पूर्ण नहीं हो जातीं। इस बीच, धरना स्थल पर आज सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। पवन चौरोली ने क्षेत्र की समस्त जनता से अपील की है कि यह माँगें सार्वजनिक हित से जुड़ी हैं, अतः अधिक से अधिक लोग धरना स्थल पर पहुँचकर इस जन आंदोलन को सहयोग प्रदान करें।

सावन के पावन अवसर पर छपरौला पुलिस चौकी पर भंडारे का आयोजन

बादलपुर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सावन माह के पावन अवसर पर छपरौला पुलिस चौकी परिसर में पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को प्रसाद वितरित कर सेवा कार्य में सहभागिता की। भंडारे के लिए क्षेत्र में लगाए गए बैनर में सावन माह के धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए लोगों से प्रसाद ग्रहण करने की अपील की गई।

आयोजन में थाना बादलपुर के थाना प्रभारी विजय गुप्ता के साथ उप निरीक्षक आर्य वीर, उप निरीक्षक गजेंद्र चौधरी, हेड कांस्टेबल राजेश बाबू, उप निरीक्षक दीपक कुमार, हेड कांस्टेबल सतेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल विजय कुमार तथा ललित यादव सहित पुलिसकर्मियों की सहभागिता रही। पुलिसकर्मियों ने व्यवस्था संभालने के साथ श्रद्धालुओं और राहगीरों को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी सहयोग करते हुए भंडारे की व्यवस्थाओं में भाग लिया।

पुलिस चौकी पर आयोजित इस सेवा कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों का कहना था कि सावन माह धार्मिक आस्था और सेवा का पर्व है तथा ऐसे आयोजनों से पुलिस और आमजन के बीच आपसी सहयोग एवं समन्वय को बढ़ावा मिलता है। छपरौला क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की ओर से किए गए इस आयोजन की स्थानीय लोगों ने सराहना की। भंडारे के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

संपादकीय

चीनी की मिठास पर महंगाई का शिकंजा, सरकार के सामने संतुलन की बड़ी चुनौती

भारत में चीनी की कीमतों में अचानक आई तेजी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दुनिया के सबसे बड़े चीनी उपभोक्ता देश में आम आदमी की रसोई बाजार की ताकतों के भरोसे छोड़ी जा सकती है। पिछले दो महीनों में चीनी के दाम 40 प्रतिशत से अधिक बढ़कर रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गए। कई राज्यों में खुदरा कीमतें 65 रुपये प्रति किलोग्राम से ऊपर चली गईं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े उत्पादक राज्य में भी चीनी के दाम 65 रुपये किलो तक पहुंचने की खबर सामने आई। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि आने वाले दिनों में गणेश उत्सव, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों के कारण चीनी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ने वाली है। हालांकि 25 अगस्त को सामने आए ताजा घटनाक्रम ने तस्वीर में कुछ बदलाव जरूर किया है। सरकार के हस्तक्षेप के बाद चीनी की मिल कीमत यानी मिल से निकलने वाली कीमत में करीब 18 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 67 रुपये के रिकॉर्ड स्तर से घटकर लगभग 55 रुपये प्रति किलोग्राम बताई गई है। लेकिन थोक और खुदरा बाजार में इसका पूरा लाभ अभी उपभोक्ता तक नहीं पहुंचा है। 24 अगस्त को देश में चीनी की औसत थोक कीमत करीब 58.29 रुपये और खुदरा कीमत 63.05 रुपये प्रति किलोग्राम थी। यही अंतर बताता है कि केवल उत्पादन और आयात का आंकड़ा पर्याप्त नहीं है, बाजार में कीमतों का वास्तविक हस्तांतरण भी सुनिश्चित करना होगा। सरकार ने करीब एक दशक बाद पहली बार 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देकर बड़ा नीतिगत कदम उठाया है। आयात की अंतिम समयसीमा 31 अक्टूबर रखी गई है। इससे घरेलू बाजार में अतिरिक्त आपूर्ति लाने और त्योहारों से पहले कीमतों पर दबाव कम करने की कोशिश की जा रही है। सरकार ने अब आयातित कच्ची चीनी को परिष्कृत कर घरेलू बाजार में बेचने के लिए आयातक को बिल ऑफ एंट्री दाखिल करने की तारीख से दो महीने का समय भी दिया है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले तय समयसीमा में विदेशी माल को भारत पहुंचाकर परिष्कृत करना और बाजार में उतारना मुश्किल माना जा रहा था। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पहलू भी है। सरकार के इस फैसले के बावजूद उद्योग जगत के आकलन के अनुसार 10 लाख टन के पूरे आयात को बाजार में उतरना जरूरी नहीं है। ताजा रिपोर्टों में अनुमान है कि घरेलू मिलें और शोधक इकाइयां निर्धारित मात्रा का लगभग आधा हिस्सा ही आयात कर सकती हैं, क्योंकि घरेलू मिल कीमतों में तेज गिरावट से आयात का लाभ कम हो गया है। साथ ही अक्टूबर के मध्य से गन्ने की नई पेराई शुरू होने और घरेलू आपूर्ति बढ़ने की संभावना भी आयातकों के फैसले को प्रभावित कर रही है। इस संकट की जड़ केवल गन्ने या चीनी के उत्पादन में तलाशना शायद पूरी तस्वीर नहीं होगी। भारतीय चीनी मिल संघ का कहना है कि देश में वास्तविक चीनी संकट नहीं है और हालिया तेजी के पीछे बड़े उपभोक्ताओं की जमाखोरी तथा सट्टेबाजी जैसी गतिविधियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार चालू विपणन वर्ष में चीनी उत्पादन लगभग 2.79 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि घरेलू खपत 2.80 से 2.85 करोड़ टन के आसपास है। करीब 30 लाख टन चीनी एथनॉल उत्पादन के लिए मोड़ी गई और कुछ मात्रा का निर्यात भी हुआ।

~ मौलिक चिंतन ~

जब संत सत्ता का भाग बन जाता है, तब वह शासक से सवाल करने का हक खो देता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

भूत को छोड़ो, वर्तमान और भविष्य की चिंता करो

सनत जैन

भारत की राजनीति पिछले तीन दशकों से लगातार भूतों के सहारे चल रही है। कभी बोफोर्स, कभी 2जी, कभी कोयला घोटाला, कभी राम मंदिर, कभी स्वतंत्रता आंदोलन, कभी नेहरू-गांधी परिवार, कभी भारत-पाकिस्तान विभाजन और अब दशकों पुराने घटनाक्रमों की फाइलें खोलकर राजनीति को वर्तमान से हटाकर अतीत में धकेला जा रहा है। सवाल यह है, क्या भूतों को बार-बार कब्र से निकालने से देश का भविष्य बनेगा? बोफोर्स का मामला दशकों तक राजनीतिक हथियार बना रहा। जांच हुई, अरबों रुपए खर्च हुए, देश-विदेश में यात्राएं हुईं, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे। अंततः फाइल बंद करना पड़ी, क्योंकि कोई भी सबूत नहीं मिला। हां राजनीति से गांधी परिवार जरूर बाहर हो गया। 1989 से लेकर 2026 तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य सरकार के किसी पद पर नहीं रहा। यह सत्य है। इसी तरह मनमोहन सिंह सरकार के समय लगाए गए कई बड़े घोटालों के आरोप, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में अलग-अलग रूप में सामने आए। 2जी और कोयला आवंटन इसके उदाहरण हैं। कैग के तत्कालीन सर्वेसर्वा विनोद राय ने कथनी और करनी को लेकर क्षमा भी मांग ली। साजिश एवं राजनीति की इन घटनाओं से सबक लेने के बजाय उन्हें सत्ता तक पहुंचाने के लिए सीढ़ी बना लेने से आज देश स्वतंत्रता के समय की स्थिति में पहुंचने जा रहा है।

2012 के बाद तो जैसे अतीत ही राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। सवाल यह नहीं है, आज रोजगार कहां है, शिक्षा कैसी है, स्वास्थ्य व्यवस्था क्यों कमजोर है, किसानों की आय और युवाओं का भविष्य क्या होगा। करोड़ों डिग्रीधारी और असंगठित क्षेत्र के युवा बेरोजगार हैं। लाखों स्कूल बंद हो गए हैं। अनपढ़ों की जमात बढ़ती जा रही है। 35, 50 या 75 साल पहले किसने क्या गलती की थी? इस पर राजनीति हो रही है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य कैसे सुधरेगा? 1998 का जम्मू-कश्मीर वंधामा नरसंहार की जांच फिर से शुरू करने की चर्चा सामने आ रही है। उस घटना में 23 लोगों की हत्या हुई थी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय पहले भी दिया जा चुका है। सवाल यह है, न्याय और राजनीति के बीच की सीमा कौन तय करेगा? जो पहले हुआ है, वह सही है, या गलत है। सत्ता की लड़ाई में पुराने जख्मों को भरने के बजाय उन्हें कुरेदकर कश्मीरी पंडित बनाम मुसलमान के बीच एक नई खाई तैयार की जा रही है? भूत को न्याय देना, भूत के सहारे राजनीति करना यह दो अलग बातें हैं। जीवन का सबसे बड़ा सत्य यही है, जो चला गया, वह वापस नहीं आता। मृत्यु के बाद जीवन रुकता नहीं है। परिवार को आगे बढ़ना पड़ता है। बच्चों को भोजन चाहिए, शिक्षा चाहिए, रोजगार चाहिए। इसलिए मृत शरीर को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के रूप में विदा करके हम उसे भूलते हैं। यह कहने में कठोर लग सकता है, लेकिन यही जीवन का सत्य है। राष्ट्र भी इसी नियम से चलता है। भारत मे कब तक कब्रें खोद-खोदकर हम भूतों को निकालते रहेंगे?

आज देश में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम आदमी कर्ज बढ़ने से हैरान और परेशान है। 20 करोड़ लोगों के पास कोई काम नहीं है। रोजगार की चुनौती, कमजोर होती सार्वजनिक व्यवस्थाओं, बंद होते स्कूलों, महंगी शिक्षा, चिकित्सा और 80 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज, तथा सरकारी सहायता पर निर्भरता बुनियादी सवाल हैं। सामाजिक व्यवस्था धर्म और जाति के संघर्षों में उलझती जा रही है। देश की राजनीति बार-बार अतीत में लौट जाती है। जनरेशन-जी और जनरेशन-अल्फा इस राजनीति को अलग नजर से देख रही है। यह पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया के बीच पैदा होकर बड़ी हुई है। उसके लिए 50 साल पहले क्या हुआ, यह इतिहास है, उसके लिए आज नौकरी मिलेगी या नहीं, शिक्षा कैसी होगी, तकनीक उसके जीवन को कैसे बदलेगी, भविष्य सुरक्षित होगा या नहीं,यह उसकी वास्तविक चिंता है। नई पीढ़ी अपने मां-बाप से कह रही है, आपने जो किया, वह इतिहास बन गया है। हमारी आज की जरूरतें पूरी करें। यदि आप हमारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते हैं, तो अपना भविष्य हम स्वयं बनाएंगे। यह संदेश सत्ता और व्यवस्था में बैठे लोगों को समझना होगा।

न्यायपालिका को भी समझना होगा। भारतीय संविधान ने मौलिक अधिकारों के साथ नागरिक अधिकार पैदा किए हैं। ध्यान रखना होगा, भूख और बेरोजगारी का कोई धर्म नहीं होता है। खाली पेट की भीड़ को धर्म एवं इतिहास नहीं, रोटी पानी की जरूरत होती है। बेरोजगार युवा को पुरानी लड़ाइयां नहीं, वर्तमान में रोजगार और नौकरी चाहिए। बीमार व्यक्ति को भाषण नहीं, चिकित्सा के लिए अस्पताल चाहिए। विद्यार्थी को अतीत की बहस नहीं, अच्छी शिक्षा के अवसर चाहिए। सत्ता में बने रहने के लिए यदि हर बार नया भूत निकाला जाएगा। एक दिन वर्तमान सत्ता इतनी कमजोर हो जाएगी। भविष्य के लिए उसके पास कुछ नही बचेगा। सबसे बड़ा खतरा यही है। भूतों के साथ रहते-रहते भूत न बन जाएं। भारत की राजनीति को अब भूत से निकालकर वर्तमान और भविष्य के लिए प्रयोग शालाओं, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और रोजगार तकनीकी और शोध के मैदान में सारी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए मैदान में आना होगा। अतीत से सीखना जरूरी होता है, अतीत में रहना आत्मघाती होता है। समय गतिशील है, वर्तमान और भविष्य भी इस गतिशीलता से बदलता है। अतीत मे अटक कर वर्तमान और भविष्य को खो देते हैं। भूतों को इतिहास के पन्नों में रहने दीजिए, वर्तमान को बचाइए। भविष्य का निर्माण वर्तमान से जुड़ने पर होगा। यही वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है।

मदर टेरेसाः गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग

आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दशार्ता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूवार्नुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह–तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल–ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ–साथ उसके नफे–नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या–क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर–सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता–पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता–पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक–दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ–साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे–सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह–जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग– एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य–कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे–कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग – इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग – यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा–भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई–हैंड कोऑर्डिनेशन – आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन – इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ–स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 287, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 286.98 अंकों की तेजी के साथ ही 77,656.09 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116 अंक उछलकर 24,335.55 पर बंद हुआ।

आज फार्मा और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के चलते बाजार बढ़त लेकर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिश्रित कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप में 0.54 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी पीएसयू बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मेटल का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी इंडेक्स में अदाणी एंटरप्राइजेज, मैक्स हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जबकि एचडीएफसी लाइफ, सिप्ला और ओएनजीसी सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

सोने-चांदी की कीमतें धड़ाम, चांदी 1600 रुपए फिसली

सोना 1.62 लाख और चांदी 2.42 लाख प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों दोनों जगह तेज गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 299 रुपये टूटकर 1,62,930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी 1,607 रुपये फिसलकर 2,42,613 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। निवेशक अब अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष के आगामी भाषण का इंतजार कर रहे हैं, जो कीमतों पर असर डालेगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोना 0.20 फीसदी गिरकर 4687 प्रति औंस पर और चांदी 0.96 फीसदी फिसलकर 67.905 डालर प्रति औंस पर पहुंच गई। कल जारी होने वाला अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर डेटा और फेड के अध्यक्ष का भाषण ब्याज दरों की दिशा और भविष्य की मौद्रिक नीति पर महत्वपूर्ण संकेत दे सकता है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। घरेलू स्तर पर दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 16,390 रुपये प्रति ग्राम और 22 कैरेट सोना 15,025 रुपये प्रति ग्राम पर रहा। वहीं, कोलकाता में चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर दर्ज की गई। रिपोर्ट के मुताबिक सोना 4,600 डॉलर प्रति औंस से ऊपर टिक पाएगा या नहीं, यह काफी हद तक अमेरिकी डॉलर के कमजोर रहने और ट्रेजरी यील्ड के स्थिर या और गिरने पर निर्भर करेगा। पिछले हफ्ते अमेरिकी ट्रेजरी के बॉन्ड बैक प्लान से डॉलर कमजोर होने के बाद सोने में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी।

अमेरिकी राजदूत ने व्यापार बढ़ाने के लिए हैदराबाद में की उच्चस्तरीय बैठक

हैदराबाद में गोलमेज चर्चा- रक्षा, सेमीकंडक्टर और फार्मा क्षेत्रों के नेता शामिल

हैदराबाद । भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी महावाणिज्य दूत लॉरा विलियम्स ने सोमवार को यहां भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख नेताओं के साथ एक गोलमेज बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को गति देना, उच्च प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाना और भारत-अमेरिका के कारोबारी संबंधों का विस्तार करना था। हैदराबाद स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रात्रिभोज के साथ हुई इस बैठक में रक्षा विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, दवा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। इसका लक्ष्य रणनीतिक द्विपक्षीय नीतियों को दक्षिण भारत में वास्तविक कारोबारी निवेश में बदलना था। राजदूत गोर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका और भारत लंबे समय से रणनीतिक सहयोगी रहे हैं। उन्होंने कहा` कि इस तरह की बैठकें दिखाती हैं कि भारत-अमेरिका साझेदारी केवल रणनीतिक तालमेल से आगे बढ़कर रक्षा, प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान और अंतरिक्ष सहित कई क्षेत्रों में सहयोग का ठोस ढांचा बन चुकी है। उन्होंने उद्योगपतियों द्वारा इन साझेदारियों को आगे बढ़ाने में निभाई गई भूमिका की सराहना की। राजदूत गोर ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कारोबारियों से निवेश, आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी और बाजार तक पहुंच के लिए ट्रस्ट पहल, पैक्स सिलिका, अमेरिका-भारत कॉम्पैक्ट और अमेरिका-भारत रणनीतिक खनिज पुनर्प्राप्ति पहल जैसे नीतिगत ढांचों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

इंपोर्टेड कच्ची चीनी 60 दिन में बेचनी होगी: सरकार

नई दिल्ली । चीनी की बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार ने कड़े नियम लागू किए हैं। अब टैरिफ रेट कोटा के तहत विदेश से आने वाली कच्ची चीनी को देश में आने के 60 दिनों के भीतर रिफाइन कर घरेलू बाजार में बेचना अनिवार्य होगा। सरकार का यह कदम जमाखोरी रोकने और बाजार में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

मराठवाड़ा में बारिश की कमी से कृषि रकबे में बड़ी गिरावट

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 3.5 लाख हेक्टेयर घटा बुवाई क्षेत्र

छत्रपति संभाजीनगर । महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में सामान्य से कम बारिश ने कृषि बुवाई को बुरी तरह प्रभावित किया है। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक क्षेत्र में बुवाई का रकबा करीब 3.5 लाख हेक्टेयर घट गया है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस साल मराठवाड़ा क्षेत्र में सामान्य से 20.3 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। छत्रपति संभाजीनगर, जालना, बीड, परभणी, नांदेड़, हिंगोली, धाराशिव और लातूर जैसे आठ जिलों वाले इस क्षेत्र में अपेक्षित 586.1 मिलीमीटर के मुकाबले केवल 479.1 मिलीमीटर बारिश हुई है। कम वर्षा के चलते बुवाई का कुल रकबा 46.19 लाख हेक्टेयर रहा, जो पिछले पांच वर्ष के औसत 49.72 लाख हेक्टेयर से सात प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में दो लाख हेक्टेयर कम है। इस कमी का सीधा असर प्रमुख फसलों पर पड़ा है। कपास का रकबा 2.65 लाख हेक्टेयर घटकर 12.14 लाख हेक्टेयर रह गया। गन्ने का रकबा भी पांच साल के औसत 3.24 लाख हेक्टेयर से भारी गिरावट के साथ मात्र 43,821 हेक्टेयर पर आ गया है। हालांकि, किसानों ने विपरीत परिस्थितियों में सोयाबीन, मक्का और सूरजमुखी जैसी फसलों पर ध्यान केंद्रित किया।

फेडएक्स दिल्ली में लगाएगा 15 करोड़ डॉलर का एयर कार्गो हब

2.3 लाख वर्ग फुट में फैले इस केंद्र से उत्तर-पूर्वी भारत की कनेक्टिविटी मजबूत होगी

नई दिल्ली। प्रमुख लॉजिस्टिक्स कंपनी फेडएक्स दिल्ली हवाई अड्डे पर 15 करोड़ डॉलर (लगभग 1,400 करोड़ रुपये) का भारी निवेश कर एक अत्याधुनिक हवाई मालवाहन केंद्र विकसित करेगी। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने हाल ही में इसकी आधारशिला रखी, जिसका लक्ष्य भारत को वैश्विक हवाई मालवाहक परिवहन की रीढ़ बनाना है।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) स्थित जीएमआर कार्गो सिटी में 2,30,000 वर्ग फुट में फैला यह एकीकृत केंद्र उत्तर और पूर्वी भारत के बीच संपर्क को मजबूत करेगा, जिससे व्यवसायी वैश्विक बाजारों से जुड़ पाएंगे। फेडएक्स के अनुसार, यह केंद्र चालू होने पर इसकी पैकेज हैंडलिंग क्षमता 600 से बढ़कर 5,000 पैकेज प्रति घंटे हो जाएगी, जिसे भविष्य में और बढ़ाया जा सकेगा। मंत्री नायडू ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत को हवाई मालवाहक परिवहन का केंद्र बनना चाहिए।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने भी हवाई मालवाहक परिवहन की बाधाओं को दूर करने के प्रयासों पर जोर दिया। जीएमआर कार्गो सिटी को चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा और निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है, जो भारत के लॉजिस्टिक्स परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्याज की महंगाई पर लगाम, केंद्र सरकार ने चलाया कांदा एक्सप्रेस अभियान

नासिक से विशेष रेलवे रैक के जरिए भारी स्टॉक रवाना, बड़े खपत केंद्रों पर 35 रुपए प्रति किलो में मिलेगा प्याज

नई दिल्ली । देशभर में प्याज की लगातार बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। महाराष्ट्र के नासिक से कांदा एक्सप्रेस नाम की विशेष रेलवे रैक के माध्यम से प्याज का भारी स्टॉक प्रमुख खपत वाले केंद्रों तक पहुंचाना शुरू कर दिया गया है। उपभोक्ता मामलों के एक अे धिकारी ने बताया कि यह खेप बुधवार तक चिह्नित शहरों में पहुंचने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 24 अगस्त को प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत सालाना आधार पर 59 फीसदी बढ़कर 43.53 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी, जबकि थोक कीमतों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। प्रमुख शहरों में, दिल्ली में प्याज 55 और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया था, जो एक साल पहले की तुलना में काफी अधिक था। शुरुआती चरण में यह आपूर्ति चेन्नई, मदुरै, दिल्ली, एर्नाकुलम और गुवाहाटी जैसे पांच बड़े खपत केंद्रों पर केंद्रित होगी। इन शहरों में एनसीसीएफ और नाफेड जैसी सरकारी एजेंसियां 35 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर प्याज उपलब्ध कराएंगी। अे धिकारी ने संकेत दिया कि नासिक में मंडी की कीमतें दिल्ली से अधिक हैं, जो संभावित गुटबाजी और सट्टेबाजी की ओर इशारा करती है। सरकार के पास 1.21 लाख टन का पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है, जिसे मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत रखा जाता है।

यह कदम त्योहारी मांग, मौसमी बाधाओं और आपूर्ति-श्रृंखला की चुनौतियों के कारण अगस्त-सितंबर में आमतौर पर होने वाली कीमतों में वृद्धि से निपटने के लिए उठाया गया है।

कांदा एक्सप्रेस पहल, जो पहले भी सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर प्याज के स्टॉक को वितरित कर चुकी है, इस वर्ष भी कीमतों को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जापान के साथ बढ़ता व्यापार घाटा चिंताजनक: फिक्की अध्यक्ष

गोयनका ने जापानी बाजार में भारतीय निर्यातकों के लिए पहुंच बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली । उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने जापान के साथ भारत के बढ़ते व्यापार घाटे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भारतीय निर्यातकों के लिए जापानी बाजार तक पहुंच को आसान बनाने और देश में भारतीय प्रमाणपत्रों को अधिक मान्यता दिए जाने की पुरजोर वकालत की। गोयनका ने कहा कि मौजूदा कड़े प्रमाणन और नियामकीय मानदंड भारतीय कंपनियों, खासकर दवा क्षेत्र के लिए बड़ी बाधाएं हैं। फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका के अनुसार, जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है, जो 2025-26 में रिकॉर्ड 15.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि 2024-25 में यह 12.66 अरब डॉलर था।उन्होंने इस एकतरफा व्यापार वृद्धि पर चिंता जताते हुए कहा कि भारतीय निर्यातकों को जापानी बाजार में प्रवेश करने में लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गोयनका ने विशेष रूप से भारतीय प्रमाणपत्रों को जापान में मान्यता न मिलने और कड़े नियामकीय मानदंडों को प्रमुख बाधा बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय दवा कंपनियां तो जापान में अपने उत्पादों का पंजीकरण तक नहीं करा पा रही हैं। गोयनका ने जापानी बाजार में उत्पादों की खरीद के लिए सांस्कृतिक पक्षपात का भी उल्लेख किया, जिससे भारतीय कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं को दूर करना द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने और भारतीय कंपनियों को अवसर तलाशने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, गोयनका ने उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण, कृत्रिम मेधा, डेटा केंद्र, जहाज निर्माण, महत्वपूर्ण खनिज, इस्पात और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भारत और जापान के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.40 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 95.70 पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे टूटकर 95.74 पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

टीसीएस ने जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता पॉर्श के साथ की साझेदारी

टीसीएस का शेयर फिसला, ब्रोकरेज ने दिया 2,600 रुपए का टारगेट

मुंबई । भारतीय आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता पॉर्श के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस डील के तहत टीसीएस पॉर्श के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर पांच साल तक काम करेगी और साथ ही पॉर्श की आईटी व कंसल्टिंग कंपनी एमएचपी का भी अधिग्रहण करेगी। हालांकि घोषणा के बावजूद मंगलवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर में हल्की गिरावट दर्ज की गई। टीसीएस और पॉर्श के बीच यह साझेदारी पांच साल के लिए हुई है, जिसकी कुल वैल्यू 1.25 अरब यूरो (करीब 11,000 करोड़ रुपये) है। इस समझौते के तहत टीसीएस पॉर्श के कारोबार में एआई के इस्तेमाल को बढ़ावा देगी। इसमें गाड़ियों की इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग से लेकर कंपनी के दैनिक कामकाज और ग्राहक अनुभव तक सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाएगा। टीसीएस इसके लिए एक विशेष एआई मोबिलिटी सेंटर भी स्थापित करेगी, जो ऑटो सेक्टर में एआई और नई तकनीकों के विकास पर केंद्रित होगा। डील का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पॉर्श की आईटी और कंसल्टिंग कंपनी का अधिग्रहण है, जिसे टीसीएस 32 करोड़ यूरो (लगभग 2,800 करोड़ रुपये) में खरीदेगी। अधिग्रहण के बाद एमएचपी पर टीसीएस का 100 फीसदी मालिकाना हक होगा, जिसमें उसकी रोमानिया, ब्रिटेन, अमेरिका, भारत और मैक्सिको में मौजूद सहायक कंपनियां भी शामिल हैं। आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद यह सौदा तीन से चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

गेहूं उत्पादों के निर्यात से हटा प्रतिबंध, अच्छी पैदावार के बाद सरकार का फैसला

घरेलू खाद्य सुरक्षा और मूल्य नियंत्रण के लिए 2022 में लगाई गई थी रोक

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गेहूं से बने उत्पादों की निर्यात नीति में बड़ा बदलाव करते हुए उन पर लगे प्रतिबंध हटा लिए हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अब गेहूं या मेस्लिन आटा, मैदा, सूजी, होलमील आटा और मिश्रित गेहूं के आटे का निर्यात बिना किसी बाधा के किया जा सकेगा। यह फैसला देश में गेहूं की बेहतर उपलब्धता और रिकॉर्ड उत्पादन अनुमानों के बीच लिया गया है, जिससे घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ-साथ किसानों और निर्यातकों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब भारत ने 2022 में गेहूं और उससे बने उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। उस वक्त सरकार का मुख्य उद्देश्य देश की 1.4 अरब आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और घरेलू बाजार में गेहूं व आटे की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाना था। 13 मई 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में लाया गया था, जिसके बाद उसी साल अगस्त में गेहूं के आटे के निर्यात पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लागू किए गए। यह कदम रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में आई बाधा और भारतीय गेहूं की बढ़ती विदेशी मांग के जवाब में उठाया गया था, जिसने घरेलू कीमतों पर भारी दबाव डाला था। हालांकि, प्रतिबंधों के बावजूद, सरकार ने कुछ विशेष गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति बनाए रखी थी। इस साल फरवरी में, बेहतर स्टॉक उपलब्धता का हवाला देते हुए, सरकार ने 25 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं और अतिरिक्त 5 एलएमटी गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। मई में जारी अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के मुकाबले 2025-26 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 5.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.6563 करोड़ टन हो सकता है।

इसमें चावल का उत्पादन 15.4024 करोड़ टन और गेहूं का उत्पादन 12.0657 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 38.4 लाख टन और 27.12 लाख टन अधिक है। यह बंपर पैदावार ही निर्यात प्रतिबंध हटाने का प्रमुख कारण बनी है।

धतूरा बेचने पर एमेजान, स्विगी और बिगबास्केट के फूड लाइसेंस सस्पेंड

नई दिल्ली । कर्नाटक के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक बड़ा कदम उठाते हुए एमेजान, `स्विगी इंस्टामार्ट और` बिग बास्केट के फूड लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। यह कार्रवाई इन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर जहरीले धतूरे के फल और बीजों को खाद्य उत्पाद के रूप में बेचने पर की गई है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

विभाग की जांच में सामने आया कि धतूरे के उत्पाद एफएसएसएआई लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ खाद्य उत्पाद के तौर पर बेचे जा रहे थे। सुनवाई में एमेजान ने कोई जवाब नहीं दिया,` स्विगी इंस्टामार्ट ने अतिरिक्त समय मांगा, जबे कि `बिगबास्केट ने बिक्री रोकने और मानव उपभोग के लिए नहीं लेबल लगाने की बात कही। हालांकि, प्राधिकरण ने इन स्पष्टीकरणों को संतोषजनक नहीं माना, क्योंकि निरीक्षण में वेयरहाउस में भी ऐसे पैकेट मिले थे।

धतूरे की जहरीली प्रकृति के कारण इसे खाद्य पदार्थ के रूप में बेचना अस्वीकार्य है। विभाग ने इन कंपनियों को धतूरे के उत्पाद से जुड़ी सभी ऑनलाइन लिस्टिंग तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही, उत्पाद उपलब्ध कराने वाले सप्लायर/विक्रेताओं के लाइसेंस भी निलंबित करने को कहा गया है। कंपनियों को जल्द अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करनी होगी, जिसके बाद ही लाइसेंस बहाली पर विचार होगा। आदेश का उल्लंघन करने पर फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड एक्ट 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

हॉर्मुज में फिर हमला! कच्चा तेल चढ़ा, ब्रेंट 91 डॉलर के पार

पश्चिम एशिया में तनाव से आपूर्ति पर संकट के फिर छाये बादल

नई दिल्ली । सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। ईरान पर अमेरिकी सख्ती, हॉर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित आपूर्ति बाधाओं और ताजा भू-राजनीतिक तनाव के चलते ब्रेंट क्रूड 91 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि डॅब्लयूटीआई क्रूड में भी उछाल देखने को मिला। बाजार की नजरें अब पश्चिम एशिया की अस्थिरता पर टिकी हैं, जहां एक तेल टैंकर पर हमले और ईरान की ताजा चेतावनियों ने आपूर्ति सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं खबर लिखे जाने के समय ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.59 फीसदी की तेजी के साथ 91.07 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा 0.73 फीसदी बढ़कर 85.63 डॉलर प्रति बैरल पर था। इस साल कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि देखी गई है, जहां ब्रेंट क्रूड करीब 49.84 फीसदी और डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 49.29 फीसदी महंगा हो चुका है, जो पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का सीधा परिणाम है। ईरान ने 45 टैंकरों को चेतावनी दी है जिन पर उसने हॉर्मुज से गुजरते समय नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसमें कार्गो जब्त करने जैसी कार्रवाई की धमकी भी शामिल है। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की घोषणा की है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को डॉलर-आधारित वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच खोने की चेतावनी दी है।

बल्लेबाजी नहीं, अब गेंदबाजी में भी वैभव का जलवा

बंगलूरू एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मुकाबला जारी है। बंगलूरू के सीओई में खेले जा रहे इस मुकाबले में भले ही वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी में कोई कमाल न दिखा पाए हों, लेकिन गेंदबाजी में उनका जलवा जारी है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में महज चार गेंदों में दो विकेट झटके। उन्होंने तीन ओवर का स्पेल डाला, जिसमें 11 रन खर्च किए और दो विकेट लिए।

पहली पारी में वैभव ने नहीं की गेंदबाजी

दरअसल, मैच में ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 467 रन बनाए थे। वैभव छह गेंद में दो चौके की मदद से आठ रन बना पाए थे। इसके बाद उनकी आलोचना भी हुई थी और सवाल भी उठे थे कि क्या वह रेड बॉल क्रिकेट के लायक हैं। हालांकि, ईस्ट जोन ने कुमार कुशाग्र के 55 रन, सुदीप कुमार घरामी के 146 रन और शाहबाज अहमद के 167 रन की बदौलत पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी 111 रन पर सिमट गई। इस तरह उन्हें फॉलो ऑन खेलने पर मजबूर होना पड़ा। पहली पारी में वैभव ने गेंदबाजी नहीं की।

गेंद से जवाब

मैच में सूर्यवंशी बल्ले से ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके। हालांकि, उन्होंने जल्द ही गेंदबाजी से इसकी भरपाई कर दी। किशोर खिलाड़ी ने अपनी गेंदबाजी से दिखाया कि उनकी क्रिकेटिंग क्षमता सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी तक सीमित नहीं है। सूर्यवंशी पहले ही अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और गेंदबाजों पर आक्रमण करने की क्षमता के लिए सुर्खियां बटोर चुके हैं।

विकेट झटके और चौंकाया

हालांकि, फॉलोऑन खेलते हुए भी नॉर्थ ईस्ट जोन ने एक वक्त 102 रन बनाने में आठ विकेट गंवा दिए थे। इनमें दो विकेट वैभव ने लिए। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर मध्यक्रम के बल्लेबाज किशन लिंगडोह को आउट किया। किशन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और 40 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बना लिए थे। वैभव ने उन्हें कैच आउट कराया। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इमलीवाती चार रन बना सके। वैभव एक लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर हैं। हालांकि, उनकी गेंद नॉर्थ ईस्ट जोन के बल्लेबाजों को समझ नहीं आई। फॉलो ऑन खेलते हुए नॉर्थ ईस्ट जोन की पूरी टीम 146 रन पर सिमट गई और ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से अपने नाम किया। वैभव के अलावा अनुकूल रॉय ने पांच विकेट लिए। वहीं, मुकेश कुमार, अभिजीत सरकार और शाहबाज को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यवंशी ने छोड़ी अपनी छाप

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी की एंट्री नए सीजन की शुरुआत के साथ हुई है। युवा खिलाड़ी ने टी20 क्रिकेट की तेज-तर्रार मांगों से अब लंबे प्रारूप की चुनौती का रुख किया है। उन्हें ईस्ट जोन का उपकप्तान भी बनाया गया है। हालांकि, उनकी उम्र और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सीमित अनुभव को देखते हुए यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरानी भरा भी था।

संक्षिप्त समाचार

कोको गॉफ और आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया। महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। पेगुला ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया था, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही सिनसिनाटी ओपन में 56 वर्षों बाद दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच महिला एकल का फाइनल खेला गया। इससे पहले वर्ष 1970 में सिनसिनाटी ओपन के महिला फाइनल में अमेरिका की रोजी कैसल्स और नैन्सी रिची आमने-सामने हुई थीं। उस मुकाबले में कैसल्स ने जीत दर्ज की थी। गॉफ इससे पहले वर्ष 2023 में कैरोलिना मुचोवा को हराकर सिनसिनाटी ओपन का अपना पहला खिताब जीत चुकी थीं। अब उन्होंने दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम कर इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है।

अंपायर पर हमले का आरोपी 36 साल बाद पकड़ा गया

मुंबई (एजेंसी)। 1990 में मुंबई के बोरीवली इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर पर हमला करने के आरोपी ओमप्रकाश ललता पासी को 36 साल बाद गिरफ्तार किया गया है।घटना के वक्त पासी 18 साल का था। पासी आउट दिए जाने से नाराज होकर उसने अंपायर पर बल्ले से हमला किया था। हमले में अंपायर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद पासी मौके से भाग गया।पासी पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज है। अब 55 साल का पासी पड़ोसी ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में रह रहा था।

तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस- एक अधिकारी ने बताया, 'बोरीवली पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार कोशिशों से पासी का पता लगाया गया।' पुलिस के अनुसार 1990 में पासी बोरीवली में क्रिकेट मैच खेलने गया था। अंपायर ने उसे आउट करार दिया, जिससे नाराज होकर उसने अपने पास मौजूद क्रिकेट बैट से अंपायर पर हमला कर दिया।

हॉकी : भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिग्गजों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का इंतजार इस बार भी खत्म नहीं हो सका। अर्जेंटीना के खिलाफ 3-5 की हार के साथ टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। इस हार ने पेरिस ओलंपिक के बाद से टीम के प्रदर्शन में नजर आ रही कमजोरियों को एक बार फिर सामने ला दिया है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि समस्या सिर्फ धीमी शुरुआत, मौकों को गंवाने या डिफेंस में चूक तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि युवा खिलाड़ियों को समय रहते मौके नहीं देना और एक ही कोर ग्रुप पर लगातार निर्भर रहना भी टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है।

युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने पर सवाल

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने टीम में युवा खिलाड़ियों को समय पर शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इतने कम अंतरराष्ट्रीय मैचों में नए खिलाड़ियों को तैयार करना मुश्किल होगा।

श्रीजेश ने कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे। क्या ओलंपिक के लिये इससे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं। नहीं।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप की टीम में भी वही कोर खिलाड़ी हैं जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर, तालेम प्रियब्रत, रोहित, अर्शदीप जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर इंतजार ही कर रहे हैं।'

चयन के पर भी उठे सवाल

पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर दिए जाने चाहिए थे और कुछ चयन फैसलों को बेहतर किया जा सकता था। जगबीर सिंह ने कहा, 'जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर मौके मिलने चाहिये और चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। तैयारी ओलंपिक से ओलंपिक की होनी चाहिये। कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया। भारत के पास यह सर्वश्रेष्ठ मौका था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। हर दस मिनट में डिफेंस चरमरा रहा था।'

घरेलू ढांचे को बताया कमजोर

पूर्व ओलंपियन परगट सिंह ने भारतीय हॉकी के घरेलू ढांचे को लेकर चिंता जताई। उनका मानना है कि अच्छी घरेलू प्रतियोगिताओं की कमी के कारण टीम के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार नहीं हो पा रही है। परगट सिंह ने कहा, 'अच्छी घरेलू स्पर्धायें नहीं होने से हमारे पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ नहीं है। यूरोप में कई डिविजन की लीग होती है जो हमारे यहां नहीं है। पहले बेटन कप, आगा खान कप, बांबे गोल्ड कप, मुरूगप्पा कप, नेहरू हॉकी से अच्छी प्रतिभायें निकलती थी। सारा ढांचा ही खराब कर दिया है। इसके अलावा नये खिलाड़ियों को मौका देना था तो दो साल पहले ही बदलाव की शुरूआत कर देनी चाहिये थी।

भास्करन ने फॉरवर्ड और मिडफील्ड पर उठाए सवाल

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय टीम के आक्रमण और मिडफील्ड के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में भारतीय फॉरवर्ड लाइन का प्रदर्शन उन्हें प्रभावित नहीं कर सका। भास्करन ने कहा, 'मैंने पिछले चार साल में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। बैक पास कहां थे, गोल पर कितने हमले किये और फुल प्रेस जाने के समय मिडफील्ड पूरा खाली छोड़ दिया।'

उन्होंने टीम में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देने पर भी सवाल उठाया। भास्करन ने कहा, 'हमने नये खिलाड़ियों को मौके ही नहीं दिये। नीदरलैंड की पेरिस ओलंपिक टीम के छह स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी विश्व कप टीम में नहीं थे। हम हमदर्दी, पिछले रिकॉर्ड और आंकड़ों पर ही टीम चुन लेते हैं। कम से कम छह जूनियर खिलाड़ियों को प्रो लीग में आजमाना चाहिये था।' उन्होंने जूनियर विश्व कप कांस्य पदक विजेता कोच श्रीजेश से सलाह नहीं लिए जाने पर भी सवाल उठाया। उनका कहना था कि दूसरे देशों में जूनियर कोचों की भूमिका अहम होती है और वे सीनियर कोचों को भी अपनी राय देते हैं।

जीसीटी ग्रैंड फिनाले: फाइनल में पहुंचे प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञानंद का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

प्रज्ञानंद ने अब तक किया है शानदार प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर 17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी। कीमर ने आखिरी तीन ब्लिट्ज गेम जीतकर वापसी की, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। कारुआना ने ब्लिट्ज गेम में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 18-9 से जीत हासिल की। उन्होंने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के अपने हमवतन खिलाड़ी वेस्ली सो को हराया।

बालाजी-चंद्रशेखर बने चैम्पियन

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में

फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका मुश्किल में, मंडराया फॉलोऑन का खतरा

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 257 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 47 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे।

सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

28 अगस्त से शुरू होगा महिला टी-20 एशिया कप 2026 का रोमांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए।

महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत

और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है।

हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'आप कई बड़े मुकाबले खेल सकते हैं, लेकिन उस तरह का दबाव महसूस नहीं होता। कहीं न कहीं हमें पता होता है कि हर भारतीय यह मैच देख रहा है। सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की नजर इस मैच पर होती है, क्योंकि यह मुकाबला हम सभी के लिए बहुत अहम होता है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल रखने की कोशिश करती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3989

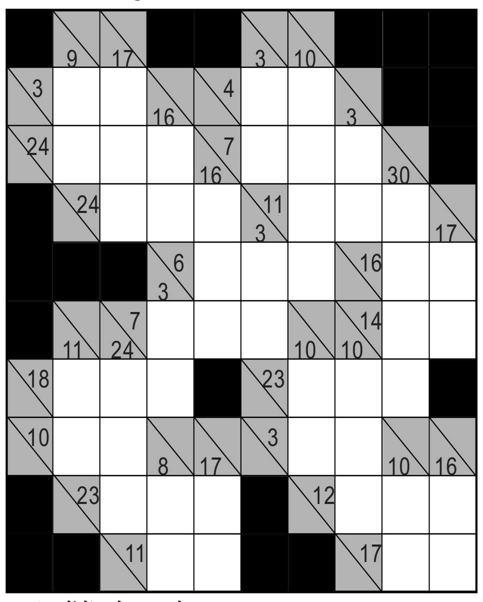

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

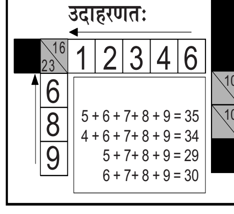

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो -3988 का हल

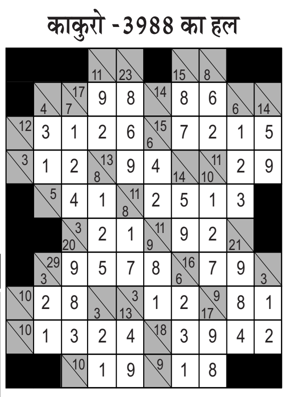

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3989

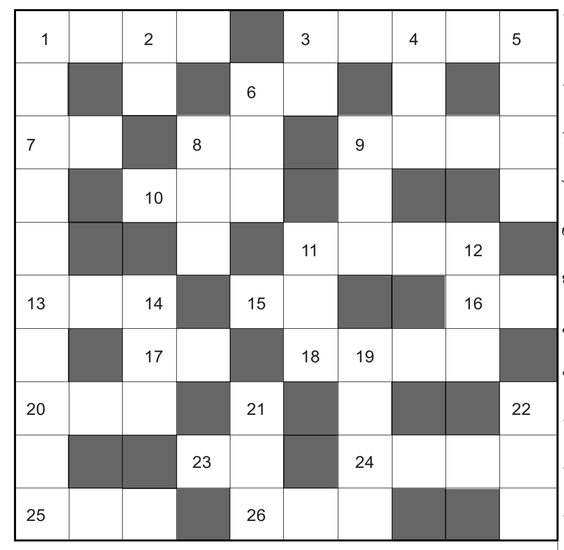

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3988

सूडोकु -3989

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3988 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3989

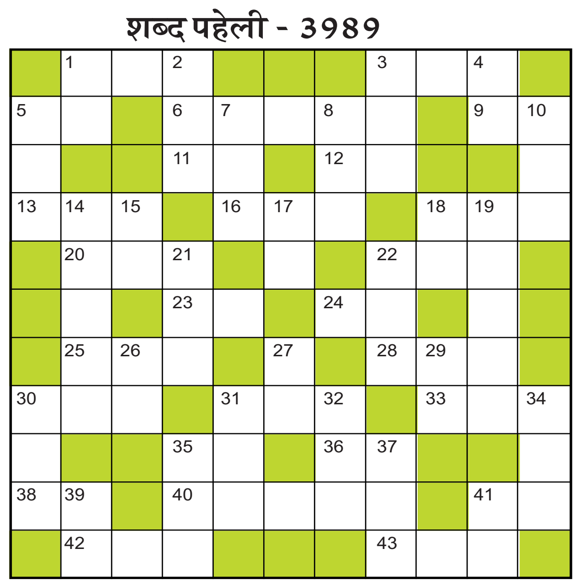

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3988 का हल

जानकारी

बाथरूम, टॉयलेट और किचन की सफाई के लिए ब्लीच वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

हाल ही में की गई एक स्टडी से मालूम पड़ा है कि जो लोग अपने घर की साफ-सफाई में ब्लीच क्लीनर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके घर की हवा प्रदूषित हो रही है। ऐसे घर की हवाओं में कई बीमारियां पल रही हैं, जिसका ध्यान न रखा जाए तो आप भी इसके शिकार हो सकते हैं। क्या आप अपने घर की साफ-सफाई का बहुत ख्याल रखते हैं। अपने घर के टॉयलेट्स, फर्श और वॉश-बेसिन को अच्छे क्लीनर्स और ब्लीच का इस्तेमाल करके साफ करते हैं, तो इस साफ-सफाई के साथ आप अपने घर की हवाओं को प्रदूषित कर रहे हैं। जी हां, इसे सुनकर हैरान न हों क्योंकि यह हम नहीं, हाल ही में की गई एक स्टडी बता रही है। हाल ही में की गई एक स्टडी का मानें तो, जिन लोगों को हर कुछ दिन बाद सर्दी-जुकाम हो जाता है, उनके पीछे आपके घर में इस्तेमाल किए जाने वाले क्लीनर्स हो सकते हैं। दरअसल आपके क्लीनर्स में मिले हुए ब्लीच कमपाउंड, घर में पहले से ही उपस्थित कुछ कणों के जैसे सिट्रस कमपाउंड के साथ मिलकर स्मॉग का रूप ले लेते हैं। यह वही स्मोग के कण हैं, जिसे हम प्रदूषण के उच्च रूप में देखते हैं। इस कमपाउंड के बनने को साइंस की भाषा में 'लिमोनेन' कहा जाता है और आमतौर पर बाहरी स्मोग के अपेक्षाकृत हल्का होता है। यह स्मोग हमारे आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा के लिए परेशानी का करण बन सकता है। दरअसल ब्लीच की गंध भी कुछ इंफेक्शन का कारण हो सकते हैं। खासकर ठंड और फ्लू के मौसम के दौरान यह ब्लीच की गंध कई बीमारियों का कारण बन सकती है।

आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा को पहुंचा सकते हैं नुकसान

शोधकर्ताओं के एक समूह ने पाया कि जब ब्लीच धुआं कई घरेलू क्लीनर में पाए जाने वाले सिट्रस कंपाउंड के साथ मिल जाता है, तो यह आपके और आपके पालतू जानवरों के लिए हानिकारक हवाई कण बना सकता है। इस साइट्रस कमपाउंड को लिमोनेन के रूप में जाना जाता है। यह हजारों सफाई उत्पादों और एयर फ्रेशनर्स में पाया जाता है, और कुछ लकड़ी के सामानों में भी पाया जाता है। हालांकि बड़ी मात्रा में इनका संपर्क त्वचा, आंखों, गले और फेफड़ों को परेशान कर सकता है। हवा की उपस्थिति में, यह यौगिक बनाने के लिए ऑक्सीकरण कर सकता है जो त्वचा की एलर्जी का कारण बनता है।

इनडोर वायु गुणवत्ता को करती है प्रभावित

वीओसी (VOC) कई घरेलू उत्पादों द्वारा उत्सर्जित गैसें हैं और यह इनडोर एयर गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। इस हवा का नुकसान यह होता है कि यह हवा में घूमते रहते हैं और घर की सतहों से चिपक जाते हैं। क्योंकि ब्लीच और लिमोनेन वाले उत्पादों का उपयोग अक्सर एक ही इनडोर में किया जाता है। इसे देखकर 'टोरंटो विश्वविद्यालय' और 'पेनसिल्वेनिया के बकनेल विश्वविद्यालय' के शोधकर्ताओं ने देखा कि इन रसायनों के संयुक्त होने पर घर की हवाओं में क्या असर हुआ? तो शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्लीच-आधारित क्लीनर के उपयोग के दौरान और बाद में, उच्च मात्रा में हाइपोक्लोरस एसिड और क्लोरीन गैसें निकलती हैं, जो हमारे घर के इनडोर वातावरण में जल्दी से मिल कर अन्य हानिकारक गैसों का निर्माण करती हैं।

ब्लड के जरिए बॉडी में सर्कुलेट करते हैं हानिकारक कण

फ्लोरोसेंट लाइट या सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर, यह कमपाउंड कार्बनिक एरोसोल (SOAs) बनाते हैं। एसओएएस की ही वजह से स्मॉग बनना शुरू होता है। जब कण काफी छोटे होते हैं, तो वे फेफड़ों के अंदर जा सकते हैं और खाँसी और सांस की तकलीफ जैसे अल्पकालिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। बहुत महीन कण फेफड़ों के माध्यम से ब्लड में सर्कुलेट होती हैं, जिससे आगे जाकर ब्लड-इंफेक्शन आदि की भी परेशानी हो सकती है।

हार्ट अटैक होने का खतरा

पार्टिकुलेट मैटर के नियमित संपर्क से हार्ट अटैक और सांस लेने में तकलीफ जैसी स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। मौजूदा हृदय रोग, अस्थमा, या अन्य फेफड़ों की स्थिति वाले लोग के लिए यह और अधिक हानिकारक हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे क्लीनर्स का इस्तेमाल करने से बचें, जिनमें ज्यादा मात्रा में ब्लीच कमपाउड्स हैं।

इन चीजों से करें घर की साफ-सफाई

- आप एक साधारण क्लीनर जैसे सिरका, पानी या बेकिंग सोडा को क्लीनर के रूप में चुन सकते हैं।
- खुशबू, अमोनिया और ब्लीच से मुक्त सफाई उत्पादों को चुनें।
- ग्रीन सील या इको लोगो द्वारा प्रमाणित उत्पादों की तलाश करें औप उन्हीं का सफाई में प्रयोग करें।

सेहत

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर जाने लक्षण व इलाज

जब ब्रेस्ट कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलने लगता है और इससे स्तन के साथ-साथ उसके पास के लिम्फ नोड्स में फैलने लगता है तो इससे मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। सबसे आम जगहों पर यह लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलता है।

ब्रेस्ट कैंसर आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। हालात यह है कि भारत में हर 28 में से एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर का खतरा है, लेकिन फिर भी बहुत से लोग इसके बारे में पूरी तरह से नहीं जानते। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर (metastatic breast cancer) भी एक ऐसा ही कैंसर है। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर शब्द शायद बहुत से लोगों के लिए एकदम नया हो। इसे ब्रेस्ट कैंसर का एक फैला हुआ रूप कहा जा सकता है। यह स्तन कैंसर की IV या एडवांस स्टेज है, यह कोई विशिष्ट प्रकार का स्तन कैंसर नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर की मोस्ट एडवांस स्टेज है। जब ब्रेस्ट कैंसर आपके स्तनों के पास लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलने लगता है तो यह स्टेज मेटास्टैटिक कही जाती है। कई मामलों में इस स्टेज पर ब्रेस्ट कैंसर का उपचार पूरी तरह नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी कुछ तरीकों से इसे प्रबंधित किया जा सकता है।

कैंसर के लक्षण

- मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि यह शरीर के किस हिस्से में फैला है। अलग-अलग हिस्सों पर इसका प्रभाव अलग तरह से नजर आता है। जैसे-
- जब स्तन कैंसर हड्डियों तक फैलता है तो इसे बोन मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को अचानक दर्द का अहसास होता है। यह रिब्स, स्पाइन, पेल्विस और हाथ व पैर की लंबी हड्डियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।
- ब्रेस्ट कैंसर के फेफड़ों पर फैलने पर उसे लंग मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को फेफड़े में दर्द या बेचैनी, सांस की तकलीफ, लगातार खांसी और अन्य कुछ लक्षण नजर आते हैं।
- दिमाग में फैलने वाले स्तन कैंसर के लक्षणों में सिरदर्द, देखने व बोलने की क्षमता का प्रभावित होना, मेमोरी समस्या व अन्य कुछ लक्षण हो सकते हैं।
- लिवर मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर होने पर व्यक्ति को मिड सेक्शन में दर्द का अहसास होता है। इसके अतिरिक्द व्यक्ति को थकान और कमजोरी, वजन कम होना या भूख की कमी व बुखार जैसे लक्षण नजर आते हैं।

इलाज

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर का पता चल जाने के बाद उसके इलाज के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। इसके लिए आप अपने डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। इलाज के तरीकों में प्रमुख हैं-

सर्जरी

कुछ मामलों में मेटास्टैटिक स्तन कैंसर होने पर सर्जरी की सलाह दी जाती है। खासतौर से, हड्डियों को टूटने से बचाने या लिवर में कैंसर सेल को रोकने के लिए सर्जरी को एक अच्छा उपचार माना जाता है।

कीमोथेरपी

कीमोथेरेपी का उपयोग मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के उपचार में किया जाता है ताकि कैंसर कोशिकाओं को जितना संभव हो उतना नष्ट किया जा सके।

रेडिएशन थेरेपी

कैंसरयुक्त कोशिकाओं को नष्ट करने और कैंसर को फिर से होने से रोकने के लिए रेडिएशन थेरेपी करने की सलाह दी जाती है। रेडिएशन थेरेपी के बिना कैंसर फिर से होने की आशंका 25 प्रतिशत बढ़ जाती है। रेडिएशन थेरेपी के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है व दर्द से भी काफी हद तक राहत पाई जा सकती है।

हार्मोनल थेरेपी

हार्मोनल थेरेपी दवाओं का उपयोग हार्मोन-रिसेप्टर पॉजिटिव मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर के विकास को कम करने में मदद करने के लिए किया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी

टागरेटेड थेरैपी में कैंसर सेल्स को ब्लॉक करके केवल उसे नष्ट किया जाता है। इस थेरेपी के प्रयोग का एक लाभ यह है कि इससे स्वस्थ कोशिकाओं को किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

हम नफरत के खिलाफ खड़े हों, वही सच्ची देशभक्ति

अपनी पहली हिंदी फिल्म 'रंग दे बसंती' हो या हालिया वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर', एक्टर सिद्धार्थ ने देशभक्ति वाली कहानियों और किरदारों में अलग ही छाप छोड़ी है। 'रंग दे बसंती' में शहीद भगत सिंह बने सिद्धार्थ इन दिनों 'ऑपरेशन सफेद सागर' में करगिल युद्ध में वीरगति पाने वाले स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। इसकी एक वजह शायद यह है कि सिद्धार्थ निजी तौर पर भी खुद को हर मायने में देशभक्त मानते हैं।

अपनी देशभक्ति को लेकर वह कहते हैं, 'मैं तो बचपन से अपने को देशभक्त मानता हूं, क्योंकि मैंने हमेशा सच बोला है। अगर मेरी आंखों के सामने कोई अन्याय हो रहा हो तो मैंने उसके खिलाफ आवाज उठाई है। मैं कभी टैक्स देने में झिझका नहीं हूं, तो मैं हर मायने में देशभक्त हूं। बाकी, मैं चाहता हूं कि आज हर तरफ जो नफरत की आग और आंधी फैल रही है, हम अगर उसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े हो जाएं तो मेरे हिसाब से वो बहुत बड़ी देशभक्ति की मिसाल होगी। मैं बस यही कहूंगा कि प्यार बढ़ाओ यार।'

ऐसी जांबाजी सबके बस की बात नहीं

क्या ऐसे देशभक्ति वाले किरदार करते वक्त उनके भीतर भी ऐसा जज़्बा जोर मारता है? यह पूछने पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'नहीं, ऐसा नहीं होता है। मैंने देशभक्ति वाले रोल पहले भी किए हैं, लेकिन मुझे कभी एक सेकेंड के लिए भी यह नहीं लगा कि काश मैं खुद भी ऐसा कर पाता। इसलिए नहीं कि मैं वो बनना नहीं चाहता, बल्कि मुझमें वो बात ही नहीं है। यह जुनून, यह जज़्बा बहुत कम लोगों में होता है। अगर मुझे एनडीए जॉइन करना पड़ता तो पहले तो मैं चश्मा पहनता था, इसलिए एनडीए में जा नहीं सकता, लेकिन चश्मा ना पहनता तब भी मैं शायद नहीं जाता, क्योंकि मुझमें वह बात ही नहीं है। इसलिए, मुझे कभी नहीं लगा कि मैं स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा बन गया हूं। मैं इस जन्म तो क्या, अगले जन्म में भी वैसा नहीं बन सकता। हम सिर्फ अदाकारी कर सकते हैं।'

हालांकि सिद्धार्थ इस भूमिका को निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी मानते हैं। बकौल सिद्धार्थ, 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी और एक भी दिन ऐसा नहीं बीता होगा जब वो जिम्मेदारी का अहसास हमें न हुआ हो। अच्छी बात यह रही कि इसकी रिसर्च बहुत तगड़ी थी तो उससे आधा काम हो गया। बाकी, आधा काम उनके परिवार वालों का आशीर्वाद ने कर दिया तो हम उम्मीद है कि आज की नई पीढ़ी इस साहस के बारे में देख-सुनकर इससे प्रेरित हो।'

धीमा सुनने वालों को धमाके की जरूरत

सिद्धार्थ ने कहा कि यह कहानी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी, मगर क्या उन्हें लगता है कि आज के सोशल मीडिया के दौर में भी सिनेमाई कहानियां इतनी ताकतवर रह गई हैं कि लोगों की सोच बदल सकें? इस पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'ये बहादुरी का किस्सा है और हमारी हजारों साल की परंपरा रही है कि हम बच्चों को कहानियां सुनाकर सुलाते हैं, उन्हें बड़ा करते हैं तो जब तक इंसान के बच्चे हैं, तब तक ऐसी कहानियां प्रासंगिक रहेंगी। इनकी बहुत जरूरत है और ये आनी चाहिए, क्योंकि ये सोशल मीडिया वाली बहुत जरूरी बात कही आपने। जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो कुछ पचास हजार लोगों में एक बंदा किताब पढ़ता था। आज साढ़े 5 लाख में एक बंदा किताब पढ़ता है। इंटरनेट पर सबकुछ है, लेकिन वहां पढ़ने-जानने की इच्छा किसी में नहीं है।'

मालामाल वीकली 2 में बतौर एक्टर डेब्यू कर रहे हैं एल्विश यादव

एल्विश यादव अब जल्द ही बॉलीवुड में बतौर एक्टर डेब्यू करने वाले हैं। यूट्यूबर से रियलिटी शो स्टार और अब बॉलीवुड एक्टर तक का उनका सफर काफी खास रहा है। एल्विश ने अपने एक्स अकाउंट पर फैंस का शुक्रिया अदा किया और कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, अपने फैंस के प्यार और सपोर्ट की वजह से हैं।

एल्विश ने फैंस के लिए लिखा खास मैसेज

एल्विश ने अपनी नई फिल्म का ऐलान करते हुए लिखा, 'नई फिल्म। नया सफर। मैं बाहर से आया हूं। बॉलीवुड में मेरा कोई नहीं था। आप लोगों के बीच से उठकर आया और आपके प्यार ने मुझे अब बड़े पर्दे तक पहुंचा दिया। आज जो कुछ भी हूं, आपके प्यार की वजह से हूं। और इसी प्यार की वजह से मैं 'मालामाल' हूं। बस प्यार बनाए रखना।'

इस फिल्म में नजर आएंगे एल्विश

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव फिल्म 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव भी दिखाई देंगे।

बता दें कि 'मालामाल वीकली' साल 2006 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को काफी सफलता मिली थी। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। इसमें परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और अरबाज खान जैसे कलाकार नजर आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मालामाल वीकली 2' में पहली फिल्म के तेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म में परिणीति चोपड़ा, रवीना टंडन और शिल्पा शिरोडकर को फीमेल कास्ट के तौर पर साइन किया गया है।

सगाई और रिलेशनशिप को लेकर पूजा बेदी ने की बात

पूजा बेदी ने हाल ही में रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ कहा।

पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं। पूजा बोलीं. कई साल बीत जाने पर शादी को लेकर मेरी सोच में काफी बदलाव आया है। मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई को 8 साल हो जाने पर भी शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। मेरे लिए सगाई ही काफी है। शादी होना कोई जरुरी चीज नहीं है। ऐसा करने से कपल की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। वह अपनी-अपनी संपत्ति अपने बच्चों के लिए छोड़ सकते हैं। मैं आधिकारिक तौर पर शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं।

आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी-छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूं, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।'

पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से पहली शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (अलाया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई की है। बताते चलें पूजा बेदी ने 'जो जीता वही सिकंदर', 'लुटेरे', 'आतंक ही आतंक' और 'फिर तेरी कहानी याद आई' जैसी फिल्मों में काम किया है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा में अहम भूमिका निभाएंगी अंजलि अरोड़ा

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है।

टॉक्सिक ने उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना सिखाया

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं।

नया शो ला रहीं एकता कपूर!

पहली बार नजर आएगी गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी?

गौरव खन्ना बीते कई दिनों से अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के तलाक वाले बयान के बाद से सुर्खियों में हैं। वहीं श्रद्धा आर्या भी टीवी के जाने-माने चेहरों में से एक हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एकता कपूर के शो में नजर आ सकते हैं।

फैमिली ड्रामा का बन सकते हैं हिस्सा

खबरों के मुताबिक, दोनों एक्टर्स एकता कपूर के अपकमिंग रोमांटिक फैमिली ड्रामा का हिस्सा बन सकते हैं। यह शो स्टार प्लस पर आने की बात कही जा रही है। फिलहाल शो को लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट अभी डेवलपमेंट और कास्टिंग स्टेज में है। अगर दोनों की कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह पहली बार होगा जब गौरव और श्रद्धा किसी शो में साथ नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शो एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा होगा। कहानी में प्यार के साथ-साथ परिवार, रिश्ते और उनके बीच आने वाली परेशानियों को दिखाया जाएगा। इस शो को एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स तैयार कर रही है। फिलहाल मेकर्स शो के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग पर भी काम कर रहे हैं।

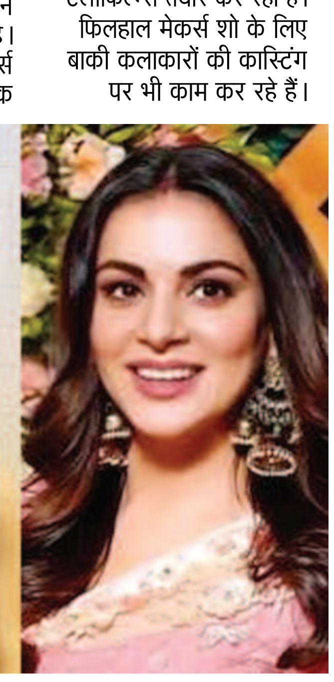

संक्षिप्त समाचार

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे: एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का किसी न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है। चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा हैं बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है। ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है। जहां अमेरिकी कंपनियां ज्यादातर चैटबॉट्स और सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस के अनिश्चित लक्ष्य पर केंद्रित हैं, वहीं चीन सरकार चाहती है कि एआई सीधे फैक्ट्रियों और दुकानों में इस्तेमाल होकर अर्थव्यवस्था को नई ताकत दें।

थाईलैंड के तीन प्रांतों में हिंसा, प्रधानमंत्री अनुतिन ने बुलाई आपात बैठक; क्या है पूरा मामला

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने रविवार को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। देश के उत्तर में पहले से ही बाढ़ का संकट बना हुआ है। इसी बीच, दक्षिण के तीन प्रांतों में रातभर एक साथ हिंसा हुई। इन इलाकों में कुछ मुस्लिम विद्रोही संगठन सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं और अपने इलाके के लिए अलग शासन की मांग कर रहे हैं। अनुतिन के उत्तर की ओर रवाना होने से कुछ समय पहले यह बैठक हुई। उन्हें बुरी तरह बाढ़ प्रभावित नान प्रांत का जायजा लेना था। बैठक शनिवार रात दक्षिण के सबसे आखिरी तीन प्रांतों में हुई 51 घटनाओं के बाद बुलाई गई। इनमें नाराथिवाट, पट्टानी और याला शामिल हैं। हमलावरों का सेना या पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ। अब तक सिर्फ तीन नागरिकों के घायल होने की जानकारी है। रविवार को बताया गया कि तीनों की हालत में सुधार हो रहा है। हिंसा में मुख्य रूप से छोटे बमों का इस्तेमाल हुआ। आगजनी की गई। संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे बड़ा निशाना पट्टानी का 7-इलेवन स्टोर था। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में हथियारबंद लोग स्टोर के बाहर घूमते दिखे। ग्राहक और कर्मचारी वहां से भागते नजर आए। इसके बाद स्टोर में आग लगा दी गई।

ईरान का दावा; खोज निकाला नया गैस भंडार, 15 साल तक होगी आपूर्ति; तेल मंत्री ने क्या बताया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दक्षिणी फार्स प्रांत में एक नया गैस क्षेत्र खोजने का दावा किया है। ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के मुताबिक, इस नए गैस क्षेत्र में करीब 7,500 अरब घन फीट गैस होने का अनुमान है। पाकनेजाद ने रविवार को कहा कि 7,500 अरब घन फीट गैस की खोज हुई है। उन्होंने बताया कि 73 प्रतिशत गैस निकाली जा सकती है। इसके हिसाब से करीब 5,700 अरब घन फीट गैस निकालना संभव है। उन्होंने दावा किया कि यह मात्रा दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र के एक ब्लॉक के बराबर है और इससे 15 साल तक गैस की आपूर्ति की जा सकती है। पाकनेजाद ने कहा कि नई खोजी गई स्वीट गैस है। इसका मतलब है कि इसमें सल्फर जैसी अशुद्धियां कम होती हैं। इससे गैस क्षेत्र को विकसित करने और संचालित करने की लागत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस खोज में गैस कंडेनसेट भी मिला है। यह गैस के साथ निकलने वाला एक तरह का तरल ईंधन होता है। पाकनेजाद ने कहा कि इससे ईरान को अरबों डॉलर की नई संपत्ति मिल सकती है। इस बीच, शनिवार को ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की समाचार एजेंसी सना ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की फेज-14 रिफाइनरी को लेकर जानकारी दी।

ट्रंप के दामाद की डेमोक्रेट नेता से मुलाकात: मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी हलचल; क्या बदलेगा सियासी समीकरण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद व बाहरी सलाहकार जरेड कुशनर ने हाल ही में न्यूयॉर्क में निजी मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब नवंबर के मध्यावधि चुनाव में यह तय होना है कि प्रतिनिधि सभा किसका नियंत्रण होगा। अगर डेमोक्रेट रिपब्लिकन से प्रतिनिधि सभा में बहुमत छीन लेते हैं, तो माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस उनके साथ काम करने के रास्ते तलाश सकता है।

मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात : न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को सबसे पहले इस मुलाकात की सूचना दी। बातचीत में आवास, आव्रजन और बढ़ती महंगाई जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। अमेरिका में लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। डेमोक्रेट इसके लिए ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को काबू करने में नाकाम रही है। कुशनर ने जेफरीज को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स से आगे की बातचीत के लिए मिलने का सुझाव दिया। नवंबर में अगर डेमोक्रेट फिर से सत्ता में आते हैं, तो जेफरीज के हाउस स्पीकर बनने की संभावना है। जेफरीज ने रविवार को दिए बयान में इस निजी बातचीत का जिक्र नहीं किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सरकार को अपनी मेरी बात मानो या रास्ता छोड़ो वाली नीति छोड़नी चाहिए। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिकी लोगों के लिए नाकाम रही है। न्यूयॉर्क से सांसद जेफरीज ने कहा कि इस समस्या को रोकने के लिए वे कई बार साफ कर चुके हैं कि सख्ती का तरीका काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन भी उनके साथ आएंगे।

बहुमत खोने की चिंता क्यों : इस मुलाकात से इस बात का संकेत मिल रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत खोने की कितनी चिंता है। खासकर प्रतिनिधि सभा को लेकर चिंता ज्यादा है। व्हाइट हाउस भी राष्ट्रपति पर पड़ने वाले संभावित राजनीतिक असर को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट से संपर्क बढ़ाना चाहता है।

अगर नवंबर के चुनाव में डेमोक्रेट प्रतिनिधि सभा का बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे सरकार के कामकाज की कड़ी जांच कर सकते हैं। जेफरीज प्रशासन के कुछ लोगों को धोखेबाज कह चुके हैं। ऐसे में डेमोक्रेट के पास महाभियोग चलाने समेत सरकार पर दबाव बनाने के कई विकल्प होंगे।

माइक जॉनसन ने मुलाकात पर क्या कहा : ट्रंप के करीबी सहयोगी और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को इस मुलाकात के बारे में सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुशनर की भूमिका को कम करके बताया। जॉनसन ने कहा कि कुशनर अपना दांव दोनों तरफ रखते हैं। लुइसियाना से रिपब्लिकन सांसद जॉनसन ने फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन के खिलाफ दांव लगाना ठीक नहीं होगा। जॉनसन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह मुलाकात किस बारे में थी। उन्होंने कहा कि जरेड के कई दूसरे कामों में भी हित हैं। उनके मुताबिक, कुशनर प्रशासन में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, कम से कम व्हाइट हाउस के रोजमर्रा के काम में नहीं। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अब तक टिप्पणी नहीं की। कुशनर के प्रतिनिधि ने भी कोई जवाब नहीं दिया। कुशनर डेमोक्रेट नेताओं के लिए ट्रंप के पुराने संदेशवाहक रहे हैं। जेफरीज और कुशनर एक-दूसरे के लिए नए नहीं हैं। दोनों न्यूयॉर्क से हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों ने एक अहम प्रस्ताव पर साथ काम किया था। इस प्रस्ताव में कुछ नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों में सजा तय करने में ज्यादा लचीलापन देने का प्रावधान था। इसका मकसद संघीय जेल व्यवस्था में लंबी सजा को कम करना था।

दोनों के बीच बहुत करीबी संबंध नहीं हैं। इसके बावजूद दोनों ने संपर्क बनाए रखा है। ट्रंप लगातार जेफरीज पर हमला करते रहे हैं और डेमोक्रेटिक नेता भी उन्हें जवाब देते रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की बड़ी भूमिका : ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की भूमिका काफी बड़ी है। हालांकि, व्हाइट हाउस में उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं है। वह बाहरी सलाहकार और दूत के तौर पर काम करते हैं। खासकर विदेश में कूटनीतिक मिशनों के लिए वह यात्रा करते रहे हैं। अमेरिका और ईरान का युद्ध छठे महीने में पहुंच चुका है। राष्ट्रपति के दोबारा व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप जेफरीज से अब तक केवल एक बार मिले हैं। उस मुलाकात में ट्रंप ने प्रतिनिधि सभा के नेता जेफरीज और न्यूयॉर्क के सीनेट डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर को चिढ़ाया था। उन्होंने ओवल ऑफिस में दोनों के सामने मेज पर लाल रंग की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन 2028 टोपी रखी थी।

अधिकृत देशों के होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा ईरान, क्या बताई वजह

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि अधिकृत देशों के जो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेंगे, उन्हें अब तेहरान को सेवा शुल्क देना होगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शुल्क समुद्री, पर्यावरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी कई तरह की सेवाओं के लिए लिया जाएगा। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, यह फैसला होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक कार्रवाई योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया है। रेजाई ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग ने इस योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति पाने वाले देशों के जहाजों को ईरान की ओर से दी जाने वाली सेवाओं का भुगतान करना होगा।

जहाजों से किस वजहों से शुल्क लिया जाएगा : उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में जहाजों की आवाजाही के लिए मदद, पर्यावरण से जुड़ी सेवाएं, कुछ परिस्थितियों में ईंधन, बीमा, सुरक्षा और दूसरी सेवाएं शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि भुगतान के लिए लचीली वित्तीय व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि शुल्क ईरानी रियाल या इस्लामी गणराज्य ईरान की ओर से पसंद की जाने वाली किसी दूसरी मुद्रा में लिया जा सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है- रेजाई : इससे पहले शनिवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा था कि जब तक अमेरिका अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक यह जलमार्ग दोबारा नहीं खोला जाएगा। आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अमेरिका का रवैया ठीक होने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य विकल्पों से निराश हो चुका है और अब आर्थिक नाकाबंदी के जरिये ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकाबंदी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर देगी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया है। ट्रंप ने इससे पहले 18 अगस्त को एक पोस्ट साझा की थी।

जापानी कंपनियों की पहली पसंद भारत, फिर भी कारखाने थाईलैंड में ज्यादा; क्या है रणनीति

टोक्यो, एजेंसी। जापान के लिए भारत कागज पर पहली पसंद है, कारखाने के लिए थाईलैंड। जापानी कंपनियों की पसंद में भारत भले 61.8त्न वोट के साथ पसंदीदा ठिकानों की सूची में लगातार चौथे साल शीर्ष पर है, पर जापानी कंपनियां भारत में 1400 हैं जबकि थाईलैंड में छह हजार। 11 साल में निवेश का लक्ष्य 3.5 लाख करोड़ येन (2.10 लाख करोड़ रुपये) से बढ़कर 10 लाख करोड़ येन (6 लाख करोड़ रुपये) हो गया, कंपनियों की गिनती नहीं बढ़ी। रकम के वादे काम नहीं आए, इसलिए इस बार सरकार 220 भारतीय उद्योगपतियों को सीधे जापानी कारखानों के दरवाजे पर ले जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व वाला यह दल सोमवार से 27 अगस्त तक जापान में रहेगा। रणनीति दौरे के नक्शे से समझ आती है। पैसा टोक्यो में है, पर कारखाना लगाने वाली कंपनियां वहां नहीं हैं। जापान की असली विनिर्माण ताकत आइची और कंसाई की उन हजारों मझोली कंपनियों में है, जो बड़ी कंपनियों को कलपुर्जे देती हैं। कोई जापानी कंपनी जब कहीं जाती है, तो आपूर्तिकर्ताओं का पूरा झुंड साथ ले जाती है। इसीलिए भारत पहली बार इंतजार के बजाय खुद उनके पास गया है। भारतीय दल नागोया में चुकेइरेन व नागोया चैंबर के साथ रोड शो करेगा, ओसाका व क्योटो में क्षेत्रीय उद्योग से जुड़ेगा।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स व एआई पर गोलमेज बैठक : इस कार्यक्रम में मशीन को समझने या जानने पर जोर है। सेमीकंडक्टर, एआई और इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक गोलमेज बैठक है, पूंजीगत वस्तुओं, मशीनरी और वाहन उद्योग पर दूसरी। दौरे का मकसद दोतरफा निवेश बढ़ाना है। इसी क्रम में भारतीय कंपनियों का जापान जाना भी अहम है, जहां अभी सिर्फ 100 भारतीय कंपनियां हैं। दल में रिलायंस के औद्योगिक नगर मेट सिटी के प्रमुख हैं, जो जापानी कंपनियों को जमीन बेचते हैं। मारुति सुजुकी है, गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन है, बीमा व संपत्ति प्रबंधन कंपनियां हैं, जो जापान की सस्ती पेंशन पूंजी की तलाश में हैं, और स्टार्टअप का पूरा जत्था है।

चांद के दक्षिणी ध्रुव में भारत से पिछड़ा चीन कैसे कर रहा बराबरी की कोशिश, क्या है मिशन, कितना अहम

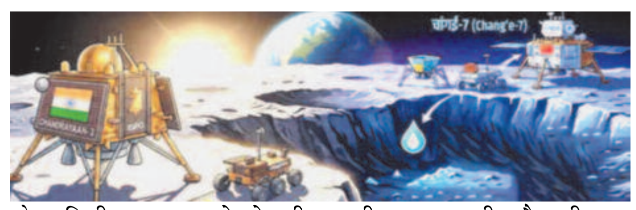

बीजिंग, एजेंसी। चीन जल्द ही चांद के लिए अपना नया चंद्र मिशन लॉन्च करने वाला है। जानकारी के मुताबिक, अपने चांगई-7 मिशन को चीन सोमवार सुबह से लेकर अगले कुछ दिनों में सही मौका देखकर लॉन्च कर सकता है। चीन का यह मिशन इस लिए भी अहम है, क्योंकि इसके जरिए वह चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना रोवर उतारना चाहता है, जहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। मजेदार बात यह है कि भारत करीब तीन साल पहले ही चांद के इस इलाके में अपने रोवर की सफल लैंडिंग कराने वाला पहला देश बन चुका है। यानी चीन जिस रेस में पहले ही पिछड़ चुका है, अब वहां बराबरी की कोशिश में जुटा है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत से पिछड़ने के बावजूद चीन का यह मिशन क्यों अहम है क्यों कई देशों की अपने मिशन को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं अब चीन इस मिशन के जरिए क्या हासिल करना चाहता है भारत फिलहाल दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च के मामले में किस पड़ाव पर है आइये जानते हैं...

चांगई-7 चीन का चांद के लिए तय मानवरहित, रोबोटिक चंद्र मिशन है, जिसे अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और जटिल रोबोटिक मिशन माना जा रहा है। इस मिशन का मुख्य मकसद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद स्थायी रूप से अंधेरे क्रेटरों (गड्ढों) में बर्फ (पानी) की खोज करना और जमीन पर इनकी मौजूदगी का नक्शा बनाना है। इस मिशन को लॉन्ग मार्च-5 वाई14 रॉकेट के जरिए हेनान प्रांत के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके प्रक्षेपण की संभावित समय-सीमा 24 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच की है। यह मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद शेकलटन क्रेटर के किनारे पर उतरेगा। यह सौर मंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है, जहां तापमान -203 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। चीन के इस मिशन की खास बात यही है कि मिशन को मुख्यतः चांद की सतह पर पानी की खोज के लिए लॉन्च किया जा रहा है, इसलिए इसमें एक हॉपर भी भेजा जाएगा, जो कि ऐसा समर्पित हॉपर उपयोग करने वाला यह दुनिया का पहला मिशन होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग- मिशन में विभिन्न देशों और संगठनों के उपकरण भी शामिल हैं। जैसे इटली का लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर, रूस का धूल संसूचक यंत्र, स्विट्जरलैंड का रेडिएशन स्पेक्ट्रोमीटर और हांगकांग विश्वविद्यालय और आईएलओए हुआवे की ओर विकसित एक कॉम्पैक्ट कैमरा आईएलओ-सी शामिल है, जो चंद्रमा की सतह से हमारी आकाशगंगा के गैलेक्टिक प्लेन की तस्वीरें लेगा। भविष्य का रास्ता- यह मिशन चीन के चंद्र अन्वेषण के चौथे चरण का हिस्सा है। यह 2030 तक चंद्रमा पर पहले चीनी मानव लैंडिंग के लिए आधार तैयार कर रहा है।

अमेरिका के जंगल में लगी भीषण आग, हजारों एकड़ इलाका खाक; 42 हजार लोगों को इलाका खाली करने के निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। नेवाडा-कैलिफोर्निया बॉर्डर के पास उत्तर-पश्चिमी नेवाडा के शहर रेनो की ओर जंगल की आग तेजी से फैल रही है। अधिकारियों के मुताबिक आग की वजह से कम से कम छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42,000 लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आग शनिवार को शुरू हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आग अब तक 13,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है। आग अभी तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

आग से छह लोग घायल : अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन आम नागरिक और तीन आपातकालीन सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 45,000 लोग ऐसे क्षेत्र में हैं जहां उन्हें किसी भी समय इलाके को खाली करने की चेतावनी दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि आग में कई इमारतें और ढांचे नष्ट हो चुके हैं। रविवार को वाशो काउंटी में करीब 10,000 बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के थे। रेनो, वाशो काउंटी का मुख्य शहर और सबसे अधिक आबादी वाला इलाका है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई परेशानी : अधिकारियों के अनुसार, आग का व्यवहार बेहद खतरनाक और असामान्य देखा गया है। तेज हवाओं के कारण आग सूखी और आसानी से जलने वाली वनस्पतियों में बहुत तेजी से फैल रही है। नेवादा के गवर्नर जो लोम्बार्डो ने शनिवार रात वाशो काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी। लोम्बार्डो ने एक बयान में कहा, यह स्थिति लगातार बदल रही है और बहुत तेजी से विकसित हो रही है। मैं प्रभावित इलाकों में रहने वाले सभी लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील करता हूं। राज्य सरकार पूरी तरह सक्रिय है और हम स्थानीय प्रशासन तथा राहतकर्मियों के साथ मिलकर लोगों की जान बचाने, समुदायों की सुरक्षा करने और नागरिकों को खतरे से दूर रखने के लिए हर संभव संसाधन लगा रहे हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की जांच पर सवाल, पीटीआई ने पूछा- एंजियोग्राफी क्यों नहीं हुई शिफा अस्पताल की मांग दोहराई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी संस्थापक इमरान खान की स्वास्थ्य जांच को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने मांग की है कि इमरान खान की ष्ट्रञ्ज कोरोनरी एंजियोग्राफी शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में कराई जाए। पीटीआई ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में डॉक्टरों की सलाह के बावजूद यह जांच नहीं कराई गई। पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम के मुताबिक, 10 अगस्त को एक सरकारी मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान की जांच की थी। इससे पहले के एक हृदय रोग विशेषज्ञ ने 1 अगस्त को उनकी बदलती ब्लड प्रेशर स्थिति, बेचैनी और संभावित हृदय संबंधी जटिलताओं के जोखिम को देखते हुए ष्ट्रञ्ज कोरोनरी एंजियोग्राफी की सलाह दी थी। अकरम ने कहा कि इमरान की उम्र और लंबे समय से अलगाव में रहने को देखते हुए यह जांच जरूरी मानी गई थी। उनका दावा है कि सरकारी डॉक्टरों ने भी इस जांच को चिकित्सकीय रूप से आवश्यक माना था।

पीटीआई नेता के अनुसार, इमरान खान को ले जाने के बाद भी सुझाई गई जांच नहीं की गई। अस्पताल अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि इसके लिए जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं था। अकरम ने दावा किया कि अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में ष्ट्रञ्ज स्कैनर मौजूद था और वह इस तरह की जांच करने में सक्षम था। उन्होंने कहा कि इस घटना से इमरान को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। पीटीआई ने शिफा अस्पताल में इलाज की मांग क्यों की पीटीआई का कहना है कि शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में जरूरी विशेषज्ञ और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। पार्टी ने इमरान खान की ष्ट्रञ्ज कोरोनरी एंजियोग्राफी इसी अस्पताल में स्वतंत्र विशेषज्ञों और उनके निजी डॉक्टरों की निगरानी में कराने की मांग की है। पार्टी ने इमरान के परिवार, निजी मेडिकल टीम और कानूनी सलाहकारों को उनके सभी मेडिकल रिकॉर्ड, रिपोर्ट और जांच के नतीजे उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को लेकर क्या आदेश दिया था : सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चिकित्सा जांच और इलाज के लिए दो दिनों के भीतर इस्लामाबाद स्थित शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया था। अदालत ने उनके इलाज के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित करने को भी कहा था। तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति शाहिद वहीद, न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे। पीठ इमरान के चिकित्सा उपचार, परिवार और वकीलों से मुलाकात समेत उनसे जुड़े कई मामलों की सुनवाई कर रही थी। पीटीआई के मुताबिक, सरकार ने 20 अगस्त को इमरान खान को कुछ समय के लिए पहुंचाया और मेडिकल जांच के बाद उन्हें वापस अदियाला जेल भेज दिया। सरकार ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन बताया। यह स्पष्ट करने की मांग की है कि इमरान को शिफा इंटरनेशनल के बजाय क्यों ले जाया गया और डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई कोरोनरी एंजियोग्राफी क्यों नहीं कराई गई।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'इकोनॉमिक डी-डे'; तेहरान बोला- नहीं जाने देंगे तेल की एक भी बूंद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने की घोषणा की। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा। एक्स पर एक पोस्ट में बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। अब हम आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। सुबह एक आर्थिक डी-डे की शुरुआत होगी यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।

'सुरक्षा गारंटी' को लेकर ईरान पर गंभीर आरोप : बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिका की सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। इस्लामिक रिपब्लिक ने वसूली को सुरक्षा गारंटी का रूप देकर अपना अस्तित्व बनाए रखा है। इसे इस सोच से ताकत मिली है कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तो तय है और अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में वह दौर खत्म हो गया है। और जो लोग तेहरान का विरोध करने के खतरे से डरते हैं, उन्हें वॉशिंगटन को आजमाने की कीमत को कम नहीं आंकना चाहिए।

'हर एजेंसी और हर अधिकार का इस्तेमाल होगा' : बेसेंट ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी सरकार के लिए ईरान के खिलाफ अपनी सभी शक्तियों का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां तैयार कर दी हैं। राष्ट्रपति ने हर एजेंसी, हर अधिकार और ऐसी कार्रवाई का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां बना दी हैं, जिनके बारे में कई लोगों को लगता था कि हम कभी उनका इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारा मकसद उस अत्याचारी शासन को बनाए रखने वाली हर आर्थिक जीवन-रेखा को काटना है, ताकि तेहरान अकेला पड़ जाए।

आर्थिक युद्ध जारी रहा तो तेल निर्यात बंद : इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेज़ाई ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'आर्थिक युद्ध' जारी रहता है, तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अन्य जगहों से तेल का पूरा निर्यात रोक सकता है। रेजाई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक अभियान का समर्थन करने या उसमें भाग लेने वाले किसी भी देश के कदम को ईरान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। अगर आर्थिक युद्ध जारी रहता है, तो तेल की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी में कहीं से भी। ईरान किसी भी देश की अमेरिका के आर्थिक युद्ध में भागीदारी या समर्थन को जो ईरानी लोगों के खिलाफ है युद्ध की कार्रवाई मानेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

घालीबाफ ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उड़ाया मजाक : इससे पहले रविवार को ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी के बाद अमेरिका पर तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का असर अंततः उल्टा पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में घालीबाफ ने अल्पकालिक सरकारी उपायों के जरिए गहरे वित्तीय संकट से निपटने की कोशिशों की सीमाओं पर टिप्पणी की और आर्थिक दबाव के असर पर व्यंग्य किया। उन्होंने कहा,मांस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए फ्रोजन मीट का आयात। ठीक है, यह काम कर सकता है। बॉन्ड के लिए क्या योजना है, क्या फ्रोजन यील्ड का आयात करेंगे आवास के लिए फ्रोजन घर खरीदार वेतन के लिए फ्रोजन पेचेक एक फ्रोजन विदेश नीति एक फ्रोजन अर्थव्यवस्था देती है। एकमात्र चीज जो अभी भी चल रही है ईरान का बूमरैंग।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)